डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 89 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शुक्रवार 10 जनवरी 2025 | मूल्य 2 रुपया

एट लेन एक्सप्रेस वे का 25 किलोमीटर हिस्सा डेंजर जोन में

मंदसौर, 09 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। रतलाम - मंदसौर से गुजर रहे एट लेन एक्सप्रेस वे का 25 किलोमीटर का सफर डेंजर झोन में है। कुछ ही दूरी पर रतलाम और झाबुआ जिले से गुजर रहे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे रात के वक्त बेहद खतरनाक होता जा रहा है। करीब 25 किमी के एरिया में तमाम प्रयासों के बावजूद गाडियों पर पत्थरबाजी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार से गुजरने वाली गाडियों पर होने वाली पत्थरबाजी से वाहन चालकों व उनमें सवार यात्रियों की जान को खतरा बना हुआ है।

दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेस–वे पर सफर खतरनाक–रतलाम और झाबुआ जिले के बीच दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर रात के वक्त सफर खतरनाक हो गया है। रात के वक्त रतलाम-झाबुआ के बीच एक्सप्रेस-वे से गुजरने वाले तेज रफ्तार वाहनों पर पत्थरबाजी की जा रही है। जिसके कारण... **शेष पेज 4 पर**

जिले में सवा लाख से ज्यादा अनपढ़..!

रतलाम और नीमच से संख्या ज्यादा, अब पढ़ा लिखाकर साक्षर बनाने की तैयारी

मंदसौर, 09 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर जिले में नीरक्षरों की संख्या की बात की जाए तो आंकड़ा सवा लाख से ज्यादा अर्थात 1 लाख 32 हजार 353 है। मतलब इतने लोगों को पढना और लिखना नहीं आता। ऐसे में ऑनलाइन पेमेंट और कार्यो को बढ़ावा देने की सरकार की मंशा के बीच यह आंकड़ा रोडे बन रहा है। मंदसौर जिले में असाक्षरों का आंकड़ा रतलाम और नीमच से ज्यादा है। हालांकि अब इन्हें पढ़ा लिखाकर साक्षर बनाने की योजना पर काम चल रहा है।

पढाई के लिए जिले में भले ही बड़े-बड़े स्कूल खुल रहे हैं। लेकिन, साक्षरता की बात की जाए तो जिले में 1 लाख 32 हजार 353 लोग ऐसे हैं जो आज भी निरक्षर हैं। इन्हें पढना-लिखना तक नहीं आता है। अब इन्हें पढा-लिखा कर साक्षर बनाने की तैयारी की जा रही है ताकि ये भी साक्षरों में शामिल हो सकें और आगे पढाई कर सकें। ये आंकड़े ऑनलाइन सर्वे में सामने आए हैं।

दरअसल साक्षरता मिशन के तहत पहले केवल हस्ताक्षर करने वालों को ही साक्षर माना जाता था। लेकिन, यूनेस्को की परिभाषा के अनुसार मुद्रित एवं लिखित सामग्री पहचानने, समझने, संवाद करने और गणितीय प्रक्रिया की गणना को समझने वाले ही साक्षर हैं। इस आधार पर उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत जिले में असाक्षरों का सर्वे कराया गया। इसमें स्कूलों के शिक्षकों ने घर-घर जाकर सर्वे किया और असाक्षरों को खोजा। इस आधार पर इनका डाटा तैयार किया गया तो ये आंकड़े सामने आए हैं। अब इन सभी को वर्ष 2027 तक साक्षर बनाने का लक्ष्य बनाया है। इसके लिए नवभारत उल्लास कार्यक्रम के तहत इन असाक्षरों को अपने घर के आसपास ही साक्षर करने के लिए अक्षर साथी की तैनाती की गई है, जो इन्हें पढा-लिखा रहे हैं। इसके बाद साल में दो बार परीक्षा ली जाएगी, ताकि ये साक्षर हो सकें। इसके बाद इन्हें प्रमाण-पत्र दिया जाएगा। इस आधार पर ये आगे पढना चाहेंगे तो सभी स्कूलों में तीसरी और पांचवीं तक की कक्षाओं में दाखिला ले सकेंगे।

संभाग में सबसे ज्यादा असाक्षर उज्जैन में...

रतलाम	–	83 हजार 215
आगर-मालवा	–	1 लाख 626
देवास	–	1 लाख 52 हजार 133
मंदसौर	–	1 लाख 32 हजार 353
नीमच	–	44 हजार 285
शाजापुर	–	65 हजार 953
उज्जैन	–	1 लाख 74 हजार 992

150 अंकों की परीक्षा पास करने वाले कहलाएंगे साक्षर...

नव उल्लास साक्षरता कार्यक्रम में साक्षर बनने के लिए 150 अंकों की परीक्षा पास करना जरूरी है। इसमें पढना 50 अंक, लिखना 50 अंक एवं गणित के 50 अंक निर्धारित किए हैं। इस बार 5 अंक का ग्रेस का प्रावधान भी किया गया है। 33 फीसदी अंक लाने वाले पास होंगे और साक्षर कहलाएंगे। इसके लिए 600 से ज्यादा अक्षरसाथी इन्हें पढा रहे हैं। वहीं साक्षरता समन्वयक समय-समय पर निरीक्षण कर रहे हैं।

सबसे ज्यादा असाक्षर बैतूल में, अनूपपुर सबसे अच्छा...

यदि प्रदेश में असाक्षरों की बात की जाय तो सबसे ज्यादा असाक्षर नर्मदापुरम बैतूल के हैं। यहां 1 लाख 76 हजार 144 असाक्षर हैं। वहीं सबसे अच्छी स्थिति शहडोल संभाग के अनूपपुर की है। यहां 21 हजार 372 असाक्षर हैं, जो प्रदेश में सबसे कम हैं। यानी इनकी संख्या कम है।

गौवंश का कटा सिर मिला, बजरंग दल ने दिया धरना

मंदसौर, 09 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। शहर की इको सिटी कॉलोनी में गौवंश का कटासिर मिलने से हडकंप मच गया। जिसके बाद बजरंग दल ने गांधी चौराहा पर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने पहुंचकर नेताओं से बात की। शव का पीएम कराया गया है। इसके बाद ही मामले में हकीकत सामने आ पाएगी।

गुरुवार को अलावदाखेडी रोड स्थित इको सिटी कॉलोनी में एक गौवंश का सिर कटा हुआ मिलने के बाद सनसनी फैल गई। सूचना मिलने के बाद हिंदू संगठनों के लोग मौके पर पहुंचे। इसके बाद सिर को बजरंग दल और विहिप के नेताओं ने गांधी चौराहा लाकर यहां विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया। विहिप के जिला मंत्री हेमंत बुलचंदानी ने बताया कि गौवंश का सिर कटा होने की सूचना के बाद हम मौके पर पहुंचे। उसे गांधी चौराहा लाया गया। यहां अधिकारियों ने जांच का आश्वासन दिया है। शव का पीएम कराया गया है। जिसकी रिपोर्ट दो दिन में आएगी। जिसने भी यह कृत्य किया है, उस पर सख्त कार्रवाई की जाना चाहिए। साथ ही अवैध बुचडख़ानों को भी बंद कराया जाना चाहिए। इस संबंध में अधिकारियों ने नपा के साथ बुचडख़ानों की जांच करने का भी आश्वासन दिया है।

मध्यप्रदेश में महंगी होगी शराब

जल्द आ रही नई आबकारी नीति, पुराना सिस्टम होगा खत्म

भोपाल, 09 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश आबकारी नीति 2025-26 में काफी बदलाव होने की संभावना है। इसमें शराब लाइसेंस फीस को 20 फीसदी बढ़ाने की सिफारिश की गई है। साथ ही इस बार ग्रुप में दुकानों की नीलामी के बजाय सिंगल दुकानें नीलाम की जाएंगी। यदि लाइसेंस की फीस बढ़ी तो शराब की कीमतों में बढोतरी होगी। आबकारी नीति में बदलाव पर मुहर लग चुकी है और संभवत: एक हफ्ते में घोषणा भी हो जाएगी। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इस बार प्रदेश सरकार ने शराब से करीब 16,000 करोड़ रुपए के राजस्व का लक्ष्य रखा है। इसलिए शराब दुकानों के लाइसेंस में 20 फीसदी बढ़ोतरी की जा रही है। पिछली बार 15 फीसदी वृद्धि के साथ प्रदेश की 3,600 शराब दुकानों की नीलामी की प्रक्रिया नवीनीकरण/लॉटरी एवं ई-टेंडर के माध्यम से की गई थी।

मोनोपाली समाप्त करने हेतु करेंगे सिंगल दुकान नीलाम...!–बड़े ठेकेदारों की मोनोपॉली को खत्म करने के लिए एमपी सरकार ने वर्ष-2022 में सिंगल ग्रुप सिस्टम को खत्म कर छोटे-छोटे समूह बनाकर नीलामी की शुरुआत की थी। लेकिन अब इस सिस्टम को खत्म कर सिंगल-सिंगल दुकान नीलाम करने की तैयारी हो रही है। इससे सबसे बड़ी परेशानी यह होगी कि जो प्रमुख दुकानें हैं, उन पर ठेकेदारों का फोकस रहेगा और जहां बिक्री कम वहां वे नीलामी में शामिल नहीं होंगे। सिंगल दुकान होने से ठेकेदार मनमानी से कीमतों पर शराब बचेंगे, जिससे विवाद की नौबत आ सकती है।

मंत्रि–परिषद समिति का गठन–राज्य शासन ने वर्ष 2025-26 के लिए आबकारी नीति के निर्धारण एवं अनुषांगिक विषयों पर ..... **शेष पेज 4 पर**

एमपी: हाईकोर्ट में थानों से मंदिर हटाने वाली याचिका खारिज, कहा...

2009 में फैसला दे चुके, एक ही मामले में फिर याचिका क्यों..?

जबलपुर, 09 जनवरी। एमपी हाईकोर्ट ने राज्य के थानों में बने मंदिरों को हटाने वाली याचिका की मांग को खारिज कर दिया है। अधिवक्ता ओपी यादव ने याचिका दायर करते हुए आरोप लगाया था कि पुलिस अधिकारियों द्वारा सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अव्हेलना कर थानों में अवैध धार्मिक स्थल बनाए जा रहे हैं।

हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैथ व जस्टिस विवेक जैन की डिवीजन बेंच ने आज मामले की सुनवाई करते हुए याचिका को खारिज कर दी। इससे पहले कोर्ट ने मामले पर सुनवाई के दौरान राज्य सरकार से जवाब मांगा था। कोर्ट ने 2009 में इसी मामले पर पहले ही आदेश जारी किया था कि सार्वजनिक संपत्ति पर किसी प्रकार का धार्मिक स्थल नहीं बनाया जा सकता। याचिकाकर्ता ने कोर्ट से इन धार्मिक स्थलों को हटाने की मांग की थी। लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज करते हुए कहा कि एक ही मुद्दे पर पुन: याचिका क्यों लगाई गई। मामले पर हाईकोर्ट में 4 नवंबर, 19 नवंबर व 16 दिसंबर को भी सुनवाई हुई थी। इस याचिका पर बार काउंसिल के अधिवक्ता दिनेश अग्रवाल ने भी हस्तक्षेप करते बताया कि वर्तमान में थानों से मंदिर हटाने वाली याचिका में जो वकील है। वे 2009 की याचिका में याचिकाकर्ता थे, उसी को ध्यान में रखते हुए कोर्ट ने याचिका को खारिज कर दी है। ऐसी स्थिति में अब याचिकाकर्ता चाहे तो कानूनी उपचार का उपयोग करना चाहे तो कर सकता है। फिलहाल अब मंदिर में बने थाने यथावत रहेंगे। जबलपुर निवासी अधिवक्ता ओपी यादव ने जबलपुर शहर के सिविल लाइन, लार्डगंज, मदन महल व विजय नगर थानों में बने मंदिरों की तस्वीरें हाईकोर्ट में पेश की थीं।

उन्होंने आरोप लगाया था कि पुलिस अधिकारी सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना कर अपनी मर्जी से मंदिर बना रहे हैं। जो अवैध हैं और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के खिलाफ हैं। डेढ माह पहले याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैथ की डिवीजन बेंच ने प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन व डीजीपी को नोटिस देकर जवाब मांगा था। नोटिस गृह विभाग, नगरीय प्रशासन विभाग को भी दिए गए। एमपी में बड़ी संख्या में ऐसे थाने भी हैं, जहां अंग्रेजों के समय से मंदिर बने हैं। जबलपुर में ही कोतवाली थाना परिसर में बना हनुमान मंदिर 150 वर्ष पुराना है। इस मंदिर का निर्माण अंग्रेजी शासन काल में सैनिक पद पर रहने वाले पंडित नाथूराम व्यास द्वारा कराया गया था।

कब्रिस्तान की जमीन पर हरियाली का सफाया

14 हरे पेड़ काटे, नगर परिषद तथा राजस्व विभाग ने की कार्रवाई

गरोठ, 09 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। शहर के कब्रिस्तान से हरियाली का सफाया कर दिया गया। पर्यावरण को नुकसान पंहुचा कर नियम विपरीत हरे पेड़ो की कटाई कर डाली। नगर मे लगातार हरे पेड़ो की कटाई पर जिम्मेदारो का सुस्त रवेया दिख रहा। दो दिनों सेकब्रिस्तान की जमीन पर नियम विरुद्ध कई हरे भरे पेड काट दिए। लंबे समय से गरोठ नगर एवं तहसील के क्षेत्र मे हरे पेड कटाई पर जिम्मेदार अधिकारी ठोस कार्यवाही के बजाय मामला गोलमाल करने मे लगे हुए हैं। जिसका ताज़ा उदाहरण एसडीएम निवास के समीप कुछ दिनों पहले शासकीय जगह पर हरे पेड कटाई हुई। जिसका मामला भी केवल नोटिस ओर कागजो मे ही दिखा।

अब बुधवार ओर गुरुवार दिनांक को फिर कब्रिस्तान मे हरे पेड कटाई पर ठोस कार्यवाही नहीं हो पाई। पटवारी मानसिंह राणावत द्वारा दी गई जानकारी अनुसार बोलिया रोड स्थित कब्रिस्तान की जमीन पर 14 यूकेलिप्टिस के पेड काटे जा रहे थे, जिसकी परमिशन नहीं ली गई थी। शिकायत ओर जानकारी मिलने पर राजस्व विभाग तथा गरोठ नगर परिषद का अमला गुरुवार को घटना स्थल पर गया और पंचनामा बनाकर आगे की कार्रवाई के लिए एसडीएम को प्रकरण भेजा गया।

गरोठ कस्बा पटवारी मानसिंह राणावत ने बताया कि लकडी जप्त कर ली है। यूकेलिप्टस के 14 पेड काटे गए हैं। दो ट्राली नगर परिषद गरोठ की सुपुर्द कर दी गई। हरे पेड की कटाई पर अधिकारी की अनदेखी ओर सुस्त रवैये के चलते पर्यावरण को भारी क्षति हो रही हैं। शासन एक तरफ पेड लगाओ अभियान चला रहा दुसरी तरफ शासकीय स्थानो पर हो रही पेडो की कटाई पर लापरवाह दिखाई दे रहा हैं।

जिम्मेदारों का कहना– हरे पेडो की कटाई पर जानकारी ली तो वन विभाग डिप्टी रेंजर भगतसिंह चौहान ने बताया की पेड की कटाई की हमारे विभाग मे कोई जानकारी नहीं हैं। कस्बे मे पेडो की कटाई पर तहसील ओर नगर परिषद टीम के साथ कार्यवाही हेतु सूचना देते तो विभाग तैयार हैं। पेड की कटाई पर वन अधिनियम के तहत कार्यवाही होती हैं। हमारे विभाग ओर अधिकारी को लेटर मिलेगा तो वन अधिनियम केतहत कार्यवाही जरुर होंगी। मामले मे पटवारी ने बताया की नगर परिषद ने जानकारी दी तो मोके पर जानकारी पंचनामा बनाया ओर लकडी नगर परिषद को सुपुर्द की गई नगर परिषद सीएमओ वीरेंद्र कुमार मेहता ने कहा कि मुझे पेडो की कटाई को लेकर जानकारी नहीं हैं। जबकि, दरोगा सुरेश मालवीय के नेतृत्व मे कटे हुए हरे पेडो के टुकडो को ट्राली मे भरकर नगर परिषद कार्यालय स्थित टंकी पर डाला गया हैं।

बीजेपी:दलबदलूओं ने फंसाया पेंच

दिल्ली से नहीं होगी घोषणा, जिला निर्वाचन अधिकारी खोलेंगे लिफाफा, निकलेगा नाम

मंदसौर, 09 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। बीजेपी में जिलाध्यक्ष को लेकर लोग गणित ज्ञान लगा रहे हैं। लेकिन, निर्णय करने वालों के गणित बिगड़ गए है। भोपाल के बाद दिल्ली में भी माथाफोडी का दौर जारी है। जिलाध्यक्षों के चयन का राजनीतिक समीकरण बिगाडने के पीछे भाजपा के दिग्गज नेता तो हैं हीं, डालबदल कर कांग्रेस से बीजेपी में आए नेताओं के कारण भी यह चुनाव प्रभावित हुआ है। ग्वालियर-चंबल में जिलाध्यक्ष के चयन में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का हस्तक्षेप रहा है, तो सागर में मंत्री गोविंद सिंह राजपूत और पारुल साहू की वजह से राजनीतिक समीकरण बिगड़े हैं। इंदौर में मंत्री तुलसी सिलावट और संजय शुक्ला का दबाव रहा, तो गुना, नीमच, मंदसौर भी यही हाल है। यहां यह सभी नेता कांग्रेस से भाजपा में आए हैं, जिन्हें मूल भाजपाई आज भी स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में मूल भाजपाई और आयातित नेताओं के बीच टकराव की स्थिति बनी हुई है। बता दें कि जिलाध्यक्षों के नामों की सूची प्रदेश कार्यालय से जारी नहीं होगी। जिलों में नियुक्त जिला निर्वाचन अधिकारी और पर्यवेक्षक जिले के पदाधिकारियों की बैठक में जिलाध्यक्ष के नाम की औपचारिक घोषणा करेंगे।

बता दें कि संघ ने जो नाम प्रस्तावित किए थे, उनको भी दरकिनार किया गया और दिग्गज नेताओं के दबाव में सूची तैयार कर ली गई। इन सब के बीच अब केंद्रीय नेतृत्व ने कमान अपने हाथ में ले ली है। दिल्ली में राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व संगठन पर्व की केंद्रीय पर्यवेक्षक सरोज पांडेय के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने दिल्ली में जिलाध्यक्षों के नामों पर विचार विमर्श किया। बताया जा रहा है कि नामों पर सहमति बन गई है। जल्द ही जिलाध्यक्षों की सूची जारी की जा सकती है। हालांकि नामों कि सूची में बडे शहरी जिले अभी रोके जाएंगे। जहां विवाद की स्थिति नहीं है, उन जिलों के अध्यक्षों की ही घोषणा की जाएगी। यह भी बताया जा रहा है कि मध्य प्रदेश के नए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया आगे बढ़े, इस हिसाब से जिलाध्यक्षों की घोषणा कर दी जाएगी। पहली सूची 35 से 40 नामों की आ सकती है।

एक सप्ताह से चल रहा है मंथन...

दो जनवरी से लगातार जिलाध्यक्षों के नामों पर मंथन किया जा रहा है। पार्टी प्रदेश के 60 संगठनात्मक जिलों में से 35- 40 जिलों के अध्यक्षों के नाम 05 जनवरी को घोषित करने वाली थी। लेकिन, 06 जनवरी को पुन: सूची पर विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री आवास पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, विष्णुदत्त शर्मा, हितानंद ने दो घंटे तक मंथन किया था और पार्टी पदाधिकारियों द्वारा मंगलवार तक सूची जारी करने की बात कही जा रही थी। इन पांच दिनों में प्रदेश नेतृत्व ने बैठक कर सामाजिक और राजनीतिक समीकरण बैठाते हुए सूची तैयार की। लेकिन कुछ नामों पर सहमति नहीं बनने से यह जारी नहीं हो सकी।

सभी जगह सहमति बनाने के प्रयास...

बीजेपी ने पहले जिलों में रायशुमारी की प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद 3 जनवरी को जिला निर्वाचन अधिकारियों और पर्यवेक्षकों के साथ रायशुमारी की टेबुलेशन शीट और पैनल पर चर्चा भी कर ली थी। लेकिन, यूनियन कार्बाइड के कचरे को लेकर पीथमपुर में शुरू हुए विरोध के बाद सरकार और संगठन के पदाधिकारी मामले को सुलझाने में व्यस्त हो गए। इसके चलते जिलाध्यक्षों के नामों को लेकर नेताओं के बीच चर्चा में देरी हुई। स्थानीय नेताओं में जिलाध्यक्षों के नामों को लेकर मची खींचतान और वर्तमान जिलाध्यक्षों को रिपिट करने को लेकर भी सहमति नहीं बन पा रही है।

निर्वाचन अधिकारी करेंगे जिलाध्यक्ष के नाम की घोषणा...

जिलाध्यक्ष का नाम फाइनल होने के बाद जिला निर्वाचन अधिकारी और पर्यवेक्षक अपने जिले के सभी मंडल अध्यक्षों, विधायक, पूर्व विधायक, सांसदों की बैठक बुलाएंगे। जिले के बीजेपी कार्यकर्ताओं की बैठक में पर्यवेक्षक और निर्वाचन अधिकारी औपचारिक रूप से जिलाध्यक्ष के नाम की घोषणा करेंगे। जितने जिलों के अध्यक्ष घोषित होंगे उन सबकी सूची और फोटो के साथ प्रदेश कार्यालय से प्रेस नोट जारी किया जाएगा।

विचार-मंथन

नक्सलियों का गढ़ बना हुआ है छत्तीसगढ़

देश के विभिन्न नक्सल प्रभावित इलाकों में धीरे-धीरे शांति देखी जाने लगी है। महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड आदि में अब पहले की तरह नक्सली हमलों में कमी दर्ज हुई है। मगर छत्तीसगढ़ अब भी नक्सलियों का गढ़ बना हुआ है। उन पर काबू पाने के लिए राज्य और केंद्र के अभियान लगातार चलाए जाते हैं। इसमें अक्सर नक्सलियों के मारे जाने की खबरें आती रहती हैं। मगर इससे नक्सलियों पर पूरी तरह लगाम लगा पाना अब भी चुनौती बना हुआ है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा है कि अगले साल तक नक्सलवाद का सफाया कर दिया जाएगा। इसके मद्देनजर छत्तीसगढ़ के सघन वनों में नक्सलियों के खिलाफ अभियान तेज कर दिए गए हैं। मगर सुरक्षाबलों की कार्रवाई के जवाब में नक्सली भी बड़े हमले करने की साजिशें रचने में कामयाब देखे जाते हैं। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में हुआ ताजा नक्सली हमला इसी का एक उदाहरण है। बताया जा रहा है कि कुछ दिनों पहले सुरक्षाबलों के अभियान के जवाब में नक्सलियों ने यह हमला किया। जब दंतेवाड़ा, नारायणपुर और बीजापुर का संयुक्त दल तलाशी अभियान से वापस लौट रहा था, तब घात लगाकर बैठे नक्सलियों ने उनके वाहन पर हमला कर दिया। इसमें आठ सुरक्षाकर्मी और एक वाहन चालक मारे गए। इस हमले में आईईडी विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया। इसकी शक्ति आम विस्फोटकों से कई गुना अधिक होती है। सरकार अक्सर दावा करती है कि नक्सलियों का लगभग सफाया कर दिया गया है और अब वे कुछ सीमित इलाकों तक सिमट कर रह गए हैं। मगर यह समझना मुश्किल है कि इतनी चौकसी के बावजूद नक्सलियों के पास अत्याधुनिक हथियार और विस्फोटक किस तरह और कहां से पहुंच पा रहे हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि छत्तीसगढ़ के बीजापुर और दंतेवाड़ा क्षेत्र में सघन जंगल होने की वजह से नक्सलियों के खिलाफ अभियान में मुश्किलें आती हैं। उनकी तलाशी और उन पर नजर रखना कठिन है। यही इलाका नक्सलियों का गढ़ बना हुआ है और सबसे अधिक इसी क्षेत्र में वे सुरक्षाबलों पर हमले करने में कामयाब होते हैं। मगर यह समस्या कोई नई नहीं है। इसके लिए हेलीकाप्टर से टोह लेने की योजना बनी थी। वैसे भी आजकल इतने अत्याधुनिक टोही उपकरण उपलब्ध हैं कि उनसे जंगलों में चल रही गतिविधियों का पता लगाना मुश्किल नहीं माना जा सकता। इसके बावजूद अगर नक्सली सुरक्षाबलों की योजनाओं और गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए रख पा रहे हैं, विस्फोटक और हथियार हासिल करने में कामयाब हो जा रहे है, तो इससे सुरक्षाबलों को अपनी रणनीति में बदलाव की अपेक्षा की जाती है। नक्सलवाद का उभार आदिवासी इलाकों में जल, जंगल और जमीन की सुरक्षा के लिए हुआ था, मगर अभी वह जिस रूप में अपनी जड़ें जमा चुका है, वह आतंकी गतिविधियों की शक्ल अख्तियार करता गया है। अब तो उनमें सरकार के साथ बातचीत का रुख भी नजर नहीं आता। अगर उन तक अत्याधुनिक हथियार और विस्फोटक पहुंच रहे हैं, तो जाहिर है, उनके पास बाहर से वित्तीय मदद भी पहुंच रही है। इन सबके रास्ते सुरक्षाबलों और खुफिया तंत्र की नजर से कैसे ओझल बने हुए हैं, समझ से परे है। नक्सलवाद के खात्मे का भरोसा तब तक नहीं किया जा सकता, जब तक कि उन तक पहुंचने वाली वित्तीय मदद, हथियार, विस्फोटकों और अत्याधुनिक सूचना तकनीक आदि पर अंकुश न लगा ली जाए।

युद्ध एवं आतंक से जूझती दुनिया में शांति का उजाला हो

ललित गर्ग

नव वर्ष 2025 की शुरुआत दुनिया के लिए शांति, अमनचैन, अयुद्ध और समृद्धि का वर्ष बनने की कामना के साथ हुई लेकिन अमेरिका में नए साल के पहले ही दिन हुए आतंकी ट्रक अटैक में 15 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए। न्यू ऑरलियन्स में हुए इस कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले ने शांति एवं अमनचैन के दुनिया के मनसूबों पर पानी फेर दिया। न्यू ऑरलियन्स में हुए इस आतंकी हमले को 42 वर्षीय अमेरिकी नागरिक शम्सुद्दीन जब्बार ने अंजाम दिया, जिसे इस्लामिक स्टेट-आईएसआईएस समर्थक माना जा रहा है क्योंकि उसकी गाड़ी से इस्लामिक स्टेट (आईएस) से जुड़े कुछ दस्तावेज भी मिले हैं। इस हमले की जांच 'आतंकवादी कृत्य' के रूप में कर रहे हैं। जब्बार पुलिस की गोलीबारी में मारा गया। बात केवल अमेरिका में हुए इस आतंकी हमले की नहीं है। समूची दुनिया युद्ध और शांति, आतंक एवं आनन्द, हिंसा और अहिंसा, भय और अभय के बीच झूलस रही है। दुनिया में कई सत्ताएं युद्धरत है, जबकि ज्यादातर लोग शांति चाहते है। अजीब अंतर्विरोध एवं विरोधाभास देखने को मिल रहा है। शांति का मतलब सिर्फ युद्ध का अभाव नहीं होता, बल्कि एक ऐसा वातावरण होता है जहां गतिशील, मजबूत, सौहार्दपूर्ण और संपन्न समाज का निर्माण होता है। ऐसे समाजों में मानव क्षमता का अधिकाधिक इस्तेमाल होता है और जीवन शांति एवं सहजीवन के रूप में व्यतीत होता है। विडम्बना देखिये कि ज्यादातर लोग शांति, अमन-चैन चाहते है फिर भी युद्ध प्रेमी सत्ताएं व्यापक जन-समर्थन हासिल करती जा रही है। विश्व में उथल पुथल कई मोर्चों पर चली रहती है जिस पर दुनिया का ध्यान आकर्षित होता रहता है। साथ में ही इसका प्रभाव शेष विश्व पर भी पड़ता है, लेकिन विश्व में शांति के लिए संघर्ष जिस बड़े पैमाने पर हो रहे है युद्ध एवं आतंक भी उससे बड़े पैमाने पर पनप रहे है। इस समय कम से कम दो लंबे युद्ध चल रहे है। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को तीन साल होने वाले है, जबकि गाजा और इस्राइल के युद्ध को भी एक साल से ज्यादा का समय हो चुका है। संसार लगभग चुपचाप, लाचार यह नरसंहार देख रहा है। युद्ध में केवल बर्बरता, लाशें, आग, मलबा और रॉकेट दिख रहे हैं। लोग बेबस हैं, बच्चे अचंभित है, औरतों के साथ बर्बरता हो रही है। फिर भी, इन युद्धों को रोकने की कोई सार्थक एवं प्रभावी पहल नहीं हो रही है। क्या संसार ने युद्ध की अनिवार्यता और शांति की असंभावना को स्वीकार कर लिया है? पूरा विश्व इस बीच दो गुटों में बंट चुका है। कुछ देश शांति का समर्थन कर रहे है तो कुछ मौन होकर युद्ध की अनिवार्यता को स्वीकार रहे हैं। लेकिन युद्ध के मुख्य किरदार एक-दूसरे के अस्तित्व को ही मिटाने की जिद में गोला-बारूद दाग रहे है। मानो एक-दूसरे का नामोनिशान ही मिटा देंगे, लेकिन इस बीच खुद को बचाने के लिए कुछ लोग बंकरों में छिप रहे है तो कुछ मातृभूमि की रक्षा के लिए युद्ध के मैदान में लड़ रहे हैं। युद्ध किसी का भी हो, जख्म बच्चों, महिलाओं एवं निर्दोषों को ही ज्यादा मिलते हैं। युद्ध दो देशों के बीच भले हो, लेकिन इससे समूचा विश्व आहत है, प्रभावित है। इतने व्यापक विनाश, क्रूरता, हिंसा की संसार अनदेखी कैसे कर रहा है, यह प्रश्न मानव के अस्तित्व एवं अस्मिता से जुड़ा होकर भी इतना सून कैसे हैं? वैसे युद्ध एवं आतंकवाद किसी भी देश के लिए लाभदायक सिद्ध नहीं होता है क्योंकि उसमें जीत-हार तो बाद की बात है, पहले इसमें मानवता को हानि और क्षति होती है। इसलिए युद्ध एवं आतंक न केवल मृत्यु और विनाश का कारण बनते हैं, बल्कि स्थायी शारीरिक और मानसिक विक्षिप्तता का कारण बनते हैं, विकास का अवरोध होता है, पर्यावरण-विनाश का कारण होता है। इक्कीसवीं सदी अपनी निष्ठुरता, अमानवीयता एवं क्रूरता में इतना बेमिसाल और अभूतपूर्व होगी, ऐसी उम्मीद शायद ही किसी ने की हो। शांति की तलाश में लगी दुनिया के लिये युद्ध इतने अनिवार्य कैसे हो गये, यह एक गंभीर प्रश्न है। पृथ्वी पर जीवन अनमोल और अद्वितीय है। तार्किक रूप से, हम अपनी सभ्यता की प्रगति के ऐसे चरण में है कि हमें युद्धों के निहितार्थों को जानना चाहिए और उन्हें होने ही नहीं देना चाहिए। युद्धों में कोई वास्तविक विजेता नहीं होता है क्योंकि इसमें शामिल सभी पक्षों को परिणाम भुगतना पड़ता है जिसमें अक्सर दोनों पक्षों के हताहतों की संख्या अधिक होती है। यह समय मानवता के दुष्काल एवं आपातकाल का समय है, जिसमें युद्धरत होते देशों को मानवीय मूल्यों से हाथ धोना पड़ता है। उन देशों की तो क्षति होती ही है, इसका असर दूसरे देशों पर भी पड़ता है, चाहे वह आर्थिक तौर पर हो, राजनीतिक, सामाजिक या नैतिक तौर पर हो, युद्धों से होने वाली क्षति की कभी भी भरपाई नहीं हो पाती। सारे संसार में जिस तरह लोकतंत्र का हरण और पूंजीवाद का उत्कर्ष हो रहा है, उसमें शांति के लिए प्रयास धुंधले पड़ रहे हैं। युद्ध चाहे कोई भी हो, कौनसा भी हो, लेकिन वह कभी भी किसी भी देश की लोकतांत्रिक राजनीति, समाजव्यवस्था और अर्थव्यवस्था के लिए ठीक नहीं होता। एक युद्ध जिन देशों के बीच में छिड़ता है, केवल उनकी ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की शांति भंग करता है, इसका उदाहरण यूक्रेन-रूस तथा इजरायल-हमास युद्ध के परिणामों से विश्व मानवता पर पड़ रहे दुष्प्रभाव से आंकना होगा। यह जंग सिर्फ अब रॉकेट और मिसाइल के दम पर नहीं लड़ी जा रही है, बल्कि यह जंग साइबर वर्ल्ड में भी पहुंच चुकी है, जो अधिक घातक है। यह कोई पहला मौका नहीं है, जब कोई जंग असल दुनिया से लेकर साइबर वर्ल्ड तक पहुंची हो। यूक्रेन और रूस के युद्ध में भी हमने साइबर अटैक के कई मामले देखे हैं। ऐसा ही कुछ हमास और इजरायल के बीच होता दिख रहा है। हाल में हमास ने इजरायल पर अचानक हमला किया। इस हमले में सैकड़ों लोगों की मौत हुई है। इनमें सैनिकों से लेकर आम आदमी तक सभी शामिल हैं। उनके ऊपर कई साइबर अटैक हुए हैं। फोन ऐप को टार्गेट किया गया। इसके अलावा कई दूसरे मामले भी देखने को मिले हैं।

जीवन के इंद्रधनुष में हर कुछ भिन्न...

संदीप पांडे 'शिष्य'

अगर हम कुदरत के करिश्मे को गौर से देखें तो हैरानी होती है। हालांकि यह हैरानी हमारी समझने और खोज पाने की सीमा के कारण है। सच यह है कि सारा जगत ही इस हद तक विविधतापूर्ण है, जहां के बारे में हमें अंदाजा तक नहीं हो पाता। कुदरत से फितरत तक। संसार का कोई फूल हूबहू दूसरे फूल जैसा नहीं। नदी, पहाड़, झरना- कोई एक दूसरे जैसा नहीं है। कहीं-कहीं दिखने में समान होने का भ्रम भले हो। यानी हर कोई बेजोड़ ही है। फल मंडी में फल देखा जाए तो और भी अधिक हैरानी होती है। हर फल किसी न किसी पेड़ पर ही फलता और फूलता है। मगर सब अलग-अलग रस और स्वाद के। एक ही बगीचे में एक-सी माटी पर उगे दो अमरूद के पौधे भी जब फलदार वृक्ष बनते हैं तो उस पेड़ की शक्ल से लेकर उनके फल का जायका अलग-अलग हो सकता है। इंसान भी इसी तरह है। आज तक दुनिया मे किसी की अंगुली के निशान यानी 'फिंगर प्रिंट' दूसरे से मिलता हुआ नहीं पाया गया है। एक ही घर के एक ही माता-पिता की संतानें गुण और आदत में कितनी भिन्न होती हैं। यह भी हैरानी की ही बात है। जो इस सच को महसूस कर लेता है, वह न तो नकलची बनता है, न घिसे-पिटे रास्ते पर चलता है। वह मौलिक बनता है। वही सचमुच में सार्थक जीवन जी रहा है, जो अपने अनोखे होने पर यकीन करता है। ठीक इसी तरह अगर हम खुद के होने पर भरोसा करेंगे तो हमें अपनी खुशियों के लिए कभी भी किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, क्योंकि तब हम खुद ही खुद को खुश रख पाएंगे और अपने आप में खुशी ढूंढने से पहले हम जैसे हैं, वैसे ही स्वयं को स्वीकार करें। दूसरों को देखकर खुद से उम्मीद करने से कहीं बेहतर है खुद से शिकायत कम और अपने आप पर भरोसा ज्यादा किया जाए। इससे संबंधित एक संदर्भ कथा है। एक व्यक्ति की मानसिकता का अंदाजा लगाने के लिए उससे पूछा गया कि 'विश्व में मनुष्यों के बीच बहुत तरह की असमानताएं हैं। कई तरह के भेदभाव हैं। उन्हें कैसे दूर किया जा सकता है?' व्यक्ति ने उत्तर दिया कि 'ऐसा करने की आवश्यकता क्यों है? अगर हम पर्वतों को तोड़कर उन्हें समतल कर देंगे तो ऋतु चक्र प्रभावित होगा। उस इलाके के पर्यावरण पर असर होगा। कई तरह के जीव-जंतुओं का आश्रय समाप्त हो जाएगा। अनेक तरह की वनस्पतियां खत्म हो जाएंगी।फिर नदियां कैसे निकलेंगी? फिर मछलियां कैसे जीवित रहेंगी? विश्व इतना विशाल और विस्तृत है कि ये असमानताएं ही उसे पूर्णता प्रदान करती हैं। हालांकि यह एक पक्ष हो सकता है कि भिन्नता और विविधता में संसार की खूबसूरती है, लेकिन इस तर्क पर मनुष्य के समाज में असमानता या विषमता को सही नहीं ठहराया जा सकता। कुदरत की विविधता को असमानता के रूप में नहीं देखा जा सकता। विविधता जहां सौंदर्य है, वहीं असमानता अन्याय का प्रतीक। सच यह है कि कुदरत को हमेशा सरलता तथा ईमानदारी पसंद आती है। वह यही चाहती है कि हम जैसे हैं, खुद को स्वीकार करें। अपना विकास करें। किसी ने जीवन के अनुभवों से यही सब सीख कर कहा होगा कि सुनो सबकी, लेकिन करो अपने मन की। इसलिए अपनी तरफ से अपने मनपसंद क्षेत्र में काम करते हुए सौ फीसद मेहनत करनी चाहिए। इसके बाद उसका परिणाम कुदरत पर छोड़ देना चाहिए। जिस कुदरत ने अपनी इस विविधता को इस तरह सहेज रखा है, वही सबका खयाल रखती है। मेहनत से ज्यादा और समय से पहले कभी किसी को कुछ नहीं मिला है। जो भी परिपक्वता के बाद प्रकट होता है, वह शाश्वत रहता है। उसमें एक गरिमा होती है। महात्मा गांधी का सरोकार देश और यहां के लोगों को कहां लेकर आया। उन्होंने सत्याग्रह पर अनगिनत प्रयोग किए। वकालत को त्याग दिया। अंग्रेजों से लोहा लिया। एक शस्त्र न उठाया। मगर अंग्रेज उनसे कांपते थे। उसकी वजह थी उनकी स्थिरता और परिपक्वता। गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर कहते थे कि आप अपने कर्म करते हुए बस एक अच्छे और सच्चे इंसान बन जाओ। आगे की हर बात बहुत ही मनभावन तथा अच्छी होती जाएगी। अगर मन में कपट है तो फिर कुछ भी संतुलित नहीं रहेगा। चीजें पटरी से उतरती जाएंगी। जीवन का रंग खिलकर निखर न सकेगा।

डिफेंस कॉरिडोर, बीडा और फार्मा पार्क के जरिये बुंदेलखंड बन जाएगा इंडस्ट्रीज का हब

उत्तर प्रदेश का बुंदेलखंड और पूर्वांचल विकास की दौड़ में पीछे रह गए थे। इन दोनों क्षेत्रों का विकास योगी सरकार की प्राथमिकता है। इन दोनों क्षेत्रों के औद्योगिक विकास के लिए सरकार ने विशेष औद्योगिक प्रोत्साहन नीति लागू कर रखी है। योगी सरकार ने बुंदेलखंड के कायाकल्प की एक और पहल की है। इस पहल के तहत सरकार झांसी एवं जालौन को जोड़ने वाले एक और लिंक एक्सप्रेसवे बनाएगी। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे से जोड़ने की पहल सरकार पहले ही कर चुकी है। साल 2024 के जाते झांसी-जालौन लिंक एक्सप्रेसवे की सौगात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की संकल्पना के अनुसार बुंदेलखंड के कायाकल्प का एक और जरिया बनेगी। झांसी-जालौन लिंक एक्सप्रेसवे की लंबाई करीब 115 किलोमीटर होगी। इससे डिफेंस कॉरिडोर का औद्योगिक इको सिस्टम और बूस्ट करेगा। साथ ही सरकार द्वारा झांसी और कानपुर के बीच नोएडा से भी बड़ा, झांसी के 33 गांवों को मिलाकर 36 हजार एकड़ में बनने वाले औद्योगिक शहर में भी निवेशकों का आकर्षण बढ़ेगा। इसके लिए सरकार बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) के गठन का काम भी शुरू कर चुकी है। इन सबका लाभ सीधी और स्पीडी कनेक्टिविटी मिलने से लखनऊ, कानपुर, आगरा, चित्रकूट और झांसी के डिफेंस कॉरिडोर के नोड को मिलेगा। इसी तरह 15.2 किलोमीटर वाले चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे के बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे से जुड़ जाने के बाद चित्रकूट के पर्यटन और इस नोड में स्थापित होने वाली डिफेंस कॉरिडोर की इकाइयों को भी खासा फायदा मिलेगा। मालूम हो कि चित्रकूट ही वह क्षेत्र है जहां वनवास के दौरान भगवान श्रीराम ने सीता और लक्ष्मण सहित सर्वाधिक समय गुजारा था। यहीं भरत उनको मनाने भी आए थे। ऐसे में इसका अच्छा खासा धार्मिक महत्व है। भगवान श्रीराम से जुड़े स्थलों को देखने बड़ी संख्या में यहां श्रद्धालु आते हैं। सरकार चित्रकूट के विकास के साथ इसे एयरपोर्ट से भी जोड़ चुकी। अब सड़क कनेक्टिविटी ठीक होने से चित्रकूट में पर्यटकों की आवाजाही और बढ़ेगी। इसका भी लाभ स्थानीय लोगों को मिलेगा। सुदृढ़ कनेक्टिविटी से ललितपुर में दो चरणों में करीब 1500 एकड़ में बन रहे फार्मा पार्क में भी औद्योगिक माहौल तेजी से बनेगा। इस पर तो तेजी से काम भी शुरू हो चुका है। इस बाबत जिन गांवों की जमीनों को चिन्हित किया गया था उनमें से करीब 70 फीसद का अधिग्रहण हो चुका है। करीब 1300 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला झांसी-जालौन लिंक एक्सप्रेसवे शुरू में चार लेन का होगा। भविष्य में इसे छह लेन तक विकसित किया जा सकेगा। इसमें जमीन अधिग्रहण की ही अनुमानित लागत 228 करोड़ रुपये है। सरकार इस बाबत दो किस्तों में 220 करोड़ रुपये मंजूर भी कर चुकी है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश का बुंदेलखंड और पूर्वांचल विकास की दौड़ में पीछे रह गए थे। इन दोनों क्षेत्रों का विकास योगी सरकार की प्राथमिकता है। इन दोनों क्षेत्रों के औद्योगिक विकास के लिए सरकार ने विशेष औद्योगिक प्रोत्साहन नीति लागू कर रखी है। इसी नाते हर योजना में जरूरत के अनुसार सरकार इन दोनों क्षेत्रों को तरजीह देती है। मसलन खेतीबाड़ी के लिए यूपी एग्रीज योजना में भी बुंदेलखंड एवं पूर्वांचल के जिले ही शामिल हैं। बुंदेखंड सोलर एनर्जी का भी हब बन रहा है। बांदा में अवाडा इंडा कंपनी द्वारा स्थापित सोलर पार्क में बिजली उत्पादन शुरू हो चुका है। झांसी, ललितपुर, चित्रकूट और जालौन में भी योगी सरकार सोलर पार्क विकसित कर रही है। इससे बिजली तो मिलेगी ही, स्थानीय स्तर पर रोजगार के मौके भी मिलेगा।

आज का राशिफल

मेष: [illegible]

वृषभ: [illegible]

मिथुन: [illegible]

कर्क: [illegible]

सिंह: [illegible]

कन्या: [illegible]

तुला: [illegible]

वृश्चिक: [illegible]

धनु: [illegible]

मकर: [illegible]

कुंभ: [illegible]

मीन: [illegible]

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5473

2	3				7			1
1	8		5	3		4		
	4	6						
	5				8			2
	6			2			9	
9			3					
						8	2	
		3		5	9		4	7
5			7				3	9

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5472

6	4	7	1	9	3	2	8	5
9	5	2	6	8	7	1	4	3
3	1	8	2	4	5	9	6	7
4	3	6	5	2	9	7	1	8
5	8	9	7	1	6	3	2	4
2	7	1	4	3	8	5	9	6
8	2	5	3	6	1	4	7	9
7	9	4	8	5	2	6	3	1
1	6	3	9	7	4	8	5	2

वर्ग पहेली 5473

संकेत: बाएं से दाएं
1. 1970 को इस देश ने स्वतंत्रता हासिल की (2)
3. 1954 को बॉलीवुड की इस अभिनेत्री ने जन्म लिया, इस अभिनेत्री की पहली फिल्म सावन भादों (1970) थी (2)
5. शिकस्त, ताकत, मरोड़, शक्ति (2)
7. आजीविका, जीवन पालन साधन (2)
8. पुराणानुसार उज्जयिनी के राजा चंडसेन की पुत्री जो चंद्रवंशी सहस्रबाहु के पुत्र उदयन को ब्याही थी (5)
10. एक अस्त्र जिससे मंदिर का निर्माण भी होता है (1)
11. अपमान, अनादर (उर्दू) (3)
12. एक कर्ण आभूषण, गेहूं, जौ कोठारघर में लगने वाला कीड़ा (2)
14. माता सरस्वती का एक नाम (3)
16. रगड़ या पीसकर टुकड़े-टुकड़े करना (3)
18. जीतने की एक प्राचीन इकाई (2)
19. किन्हीं की स्थिति को यह भी कहा जाता है (3)
21. पुरानी चिकित्सा करने वाला (3)
22. शब्द करना, नादकपिशी पक्षी (2)
24. [illegible] (2)

ऊपर से नीचे
1. उत्तरप्रदेश का यह स्थान चूड़ी बनाने के कारखाने के लिए प्रसिद्ध है (5)
2. बड़ी बहन के लिए संबोधन, दीदी (2)
3. नर्मदा नदी का एक नाम यह भी है (2)
4. विशिष्ट, खासकर (3)
5. देह, काया, तन, शरीर (3)
6. नीचा, गर्दी (2)
9. इस अभिनेत्री की पहली फिल्म सीआईडी थी इनका जन्म 3 फरवरी 1938 को हुआ था (7)
13. दिल्ली की इस इमारत को पांचवे मुगलशासक शाहजहां ने बनवाया था (4)
15. हथेली में चुल्लू में पानी लेकर मंत्रपूर्वक पीना (4)
17. मोटी खमीरी रोटी (4)
20. तुषार पात, कुहरा (3)
22. पुराणानुसार मद्र देश की राजकुमारी जो पांडुराज की पत्नी थी (2)

वर्ग पहेली 5472 का हल

डीएम ने जिले में चायना डोर के क्रय, विक्रय एवं उपयोग पर लगाया प्रतिबंध

नीमच, 09 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी नीमच श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा मंकर संक्राति पर जिले में वृहद स्तर पर पतंगबाजी में चायना डोर उपयोग की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के प्रावधानों के तहत चायना डोर के उपयोग, क्रय, विक्रय पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इस संबंध में जारी प्रतिबंधात्मेक आदेशानुसार चाईनीज डोर से होने वाली क्षति से बचाने एवं आमजनों की सुरक्षा के लिये चायना डोर (मुख्यत धातु धागा, वाली)/नायलोन डोर के विक्रय और उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा। सिंथेटिक, सामग्री, मांझा के विनिर्माण, चायनीज मांझा के बिक्री, भंडारण(दुकानों में) खरीद और उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा।यदि कोई उपरोक्त आदेश का उल्लंघन करते हुए पाया गया, तो उसके विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों के तहत अभियोजन किया जावेगा। यह आदेश 8 जनवरी 2025 से तत्काल प्रभावशील होगा।

जन-जन की रामकथा में हम अपने-अपने राम को ढूंढे-आचार्य रामानुजजी

मंदसौर, 09 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। श्री हरिकथा आयोजन समिति के तत्वावधान में 21 कन्याओ के विवाह के संकल्प के साथ आयोजित 9 दिवसीय रामकथा में व्यासपीठ पर विराजित होकर आचार्य श्रीरामानुज जी ने कहा कि सम्प्रदाय के वाडो में बांधे वह गुरु नही होते, गुरु तो मुक्ति की राह दिखाते हैं। अपने सम्प्रदाय को उंचा दिखाने के लिए धर्म को नीचा दिखाया जाता है लेकिन गुरु पद कभी छोटा नही होता है।

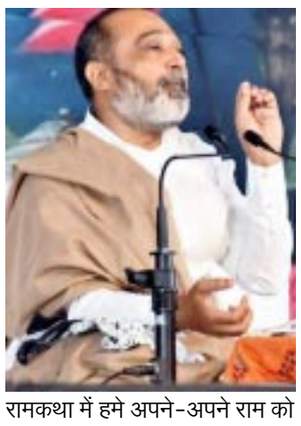

जिंदगी में जब भी अच्छा काम हो गुरु को याद करो। गुरु तत्व को अपने जीवन मे धारण करे, गुरु के हर वचन को अपनी अंतरात्मा तक उतारे। क्योकि जिस पर गुरु की कृपा होती है वह सामान्य व्यक्ति भी अमूल्य बन जाता है। आपनें कहा कि बंधो मत, छोटे-छोटे वाडो में फसकर विवाद मत करो, जब तक हम मुस्कराते है तब तक बहुत अच्छे हैं। शिव का मुस्कराना ही वरदान है इसलिए धर्म, सम्प्रदाय के नाम पर क्यों क्लेश मत बढाइए। जन-जन की रामकथा में हमे अपने-अपने राम को ढूंढिए, सद्गुरु के दर्शन में ही राम है। जब अनंत को व्यक्त होने का मन हो तो सद्गुरु के रूप में राम आते हैं। आचार्य श्री रामानुजजी व्यास पीठ पर विराजित होकर छठवे दिवस की कथा श्रवण करा रहे थे। छठवे दिन की कथा में बडी संख्या में श्रद्धालुओं ने धर्मलाभ लिया। श्रद्धालुओं की संख्या इतनी ज्यादा थी कि डॉम छोटा पड गया। समिति ने अतिरिक्त मंडप बनाया। व्यासपीठ पर विराजित आचार्य श्री रामनुजजी ने कहा कि जब गुरु का वैभव शिष्य में उतरता है तो शिष्य भी गुरु बन जाता है।सदकर्म के लिए निकलो तो करवा जुडता जाता है।

कथा विश्रांति के पश्चात श्री हरिकथा आयोजन समिति के अध्यक्ष नरेंद्र अग्रवाल ने आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए आव्हान किया कि 21 कन्याओ के नि:शुल्क विवाह के संकल्प के साथ रामकथा आयोजित की जा रही है। नगरवासी इस पुनीत संकल्प में अपनी भागीदारी करे। संचालन वरिष्ठ पत्रकार ब्रजेश जोशी, लोकेश पालीवाल ने किया। पोथीजी का पूजन एवं आरती मंगलामुखी किन्नर गुरु अनिता दीदी, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, पूर्व मंत्री नरेंद्र नाहटा, आज के यजमान उषा प्रहलाद गर्ग, मंजू गर्ग, बिना ब्रह्मप्रकाश गर्ग, पीयूष ट्रेडर्स परिवार, भोजन प्रसादी के लाभार्थी श्रीमती तनुजा डॉ शंभुसिंह कुशवाह, श्रीमती निया संजयसिंह कुशवाह परिवार, वैकुंठवासी श्रीमती रुक्मणी देवी सोमानी की भाव स्मृति में रामविलास, कमलकिशोर, विजय सोमानी परिवार कुछडोत, डॉ विजयशंकर मिश्र, भाजपा नेता अनिल कियावत, विजय सुराणा, वरिष्ठपत्रकार डॉ घनश्याम बटवाल, ब्रजेश जोशी, बलवंत फ़ाफरिया, अशोक त्रिपाठी, आशुतोष नवाल, अनिल जैन, प्रकाश सिसोदिया, महावीर जैन, दिलीप सेठिया, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मुकेश काला, लायंस क्लब के पूर्व अध्यक्ष विकास अग्रवाल, समाजसेवी प्रह्लाद काबरा, अन्नक्षेत्र न्यास कमेटी के अध्यक्ष शांतिलाल बडजात्या, नंदकिशोर अग्रवाल, डॉ अजय व्यास परिवार, प्रवीण गुप्ता, राधेश्याम पोरवाल, अशोक कर्नावट, वीरेन्द्र सिंह पुरावत, आरती टेंट के संचालक विष्णु खींची, पंकज गर्ग, जयप्रकाश बाहेती, ,मारुति पोरवाल, शैलेन्द्र चोरडिया, समेत गणमान्य जनों ने किया।

सरस्वती विहार शैक्षिक संस्थान में वार्षिकोत्सव उजास : पंच परिवर्तन सम्पन्न

मंदसौर, 09 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। सरस्वती विहार शैक्षिक संस्थान मंदसौर में उजास: पंच परिवर्तन का विषय को लेकर वार्षिकोत्सव धूमधाम और उत्साह के साथ आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती की वंदना से हुई। मुख्य अतिथि मासिक पत्रिका देवपुत्र के प्रबंध न्यासी श्री राकेश भावसार ने अपने संबोधन में भारतीय संस्कृति की महानता और इसे संजोने के महत्व पर जोर दिया। साथ ही पंच परिवर्तन से संबंधित पर्यावरण, समरसता, पारिवारिक भाव, संस्कार, जीवनशैली, कुटुम्ब और समाज में सकारात्मक परिवर्तन की बात उन्होंने अपने संबोधन में रखी। कार्यक्रम की विशेष अतिथि श्रीमती रमादेवी गुर्जर ने भैया बहिनों एवं आचार्य द्वारा तैयार कई गए कार्यक्रम की सराहना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान मालवा प्रांत प्रमुख श्री पंकज पंवार ने की। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री प्रवीण मिश्रा ने मंचासीन अतिथियों का परिचय करवाया तत्पश्चात भारतीय आदर्श शिक्षण समिति के महासचिव एवं संस्थान के प्रबंधक श्री सुनील शर्मा ने विद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन वीडियो क्लिप के सहायता से प्रस्तुत किया। कक्षा नर्सरी से 5 वीं तक के भैया बहनों ने विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय परंपराओं को जीवंत किया। नृत्य, नाटक, गायन और वाद्य यंत्रों की शानदार प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। उजास के मंच पर प्रस्तुत किए गए नाट्य कार्यक्रमों ने भारतीय इतिहास और संस्कृति के गौरवशाली पलों को पुनर्जीवित किया। इस अवसर पर विशेष ऊर्जावान अतिथि के रूप में समिति के सचिव श्री अशोक पारिख, कोषाध्यक्ष श्री राजदीप परवाल, सदस्य श्रीमती वर्तिका पारीक, श्री रविन्द्र पांडे, सीएम राईस स्कूल साबाखेडा प्राचार्य श्री दिलीप डाबी, श्री रविन्द्र सोहोनी, श्री रमेश कश्यप, श्री रमेश डांगी एवं सरस्वती विद्या मंदिर सीबीएसई एवं सैनिक स्कूल की प्राचार्या डॉ. सरोज प्रसाद, सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. योगिता सोमानी, छात्रावास अधीक्षक श्री कमलकिशोर गोठी, एमपी बोर्ड विद्यालय के प्राचार्य श्री महेश वप्ता, उपप्राचार्या सुश्री लक्ष्मी राठौड, विद्यालय के सभी आचार्य दीदी कार्यक्रम के साक्षी रहे। भैया बहिनों के साथ बडी संख्या में अभिभावकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफलता के आयाम प्रदान किये।

श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया ने संधारा में बालक हायर सेकंडरी विद्यालय स्थापित करने हेतु...

शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह को कराया अवगत-गुर्जर

मंदसौर, 09 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। ग्राम पंचायत संधारा जनपद पंचायत भानपुरा जिला मंदसौर में बालक हाई सेकंडरी विद्यालय नहीं होने के कारण ग्राम के बालकों का भविष्य अंधकार में है ग्राम के छात्रों को आसपास विद्यालय नहीं होने से बहुत बडी समस्याओं का सामना करना पड रहा है गांव की इस समस्या से सरपंच चांदमल रामनारायण पाटीदार ,जनपद प्रतिनिधि सोमिल तिलानी , उप सरपंच कारीबाई पति ईश्वर गुर्जर ने अवगत कराया था इस समस्या को लेकर प्रदेश भाजपा किसान मोर्चा

कार्यसमिति सदस्य, पूर्व पार्षद विजय गुर्जर ने नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य जी सिंधिया से चर्चा कर अवगत कराया था संधारा के छात्रों की इस समस्या को संज्ञान में लेकर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य जी सिंधिया ने स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री राहुल उदय प्रताप सिंह को पत्र लिखकर छात्रों के भविष्य को दृष्टिगत रखते हुए संधारा में शीघ्र बालक हाई सेकंडरी विद्यालय स्थापित कराए जाने हेतु अनुरोध किया है।

यह जानकारी प्रदेश भाजपा किसान मोर्चा कार्य समिति सदस्य , पूर्व पार्षद विजय गुर्जर ने देते हुए आगे बताया कि श्रीमंत ज्योतिरादित्य मा.सिंधिया ने पत्र लिखकर स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह से मांग करी है जिसमें लिखा है मैं इस पत्र के साथ श्री विजय गुर्जर, पूर्वपार्षद मंदसौर द्वारा प्रेषित पत्र आपको अग्रेषित कर रहा हूं जिसमें उनके द्वारा ग्राम पंचायत संधारा जनपद पंचायत भानपुरा जिला मंदसौर में बालक हाई सेकंडरी विद्यालय स्थापित कराए जाने का अनुरोध किया है यह विद्यालय स्थानीय छात्रों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के साथ-साथ उनके समग्र विकास में सहायक होगा इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा के स्तर में सुधार और छात्रों का उच्चतर शैक्षिक अवसर प्राप्त करने में यह एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा इससे न केवल छात्रों का भविष्य उज्ज्वल होगा बल्कि यह क्षेत्र के सामाजिक आर्थिक विकास में भी योगदान देगा में अनुग्रहित होगा यदि आप इस क्षेत्र के छात्रों के उज्ज्वल भविष्य को दृष्टिगत रखते हुए उपरोक्त विद्यालय की स्थापना हेतु उचित कार्रवाई करेंगे तथा की गई कार्रवाई से मुझे वह संबंधित को अवगत कराएंगे। इस पत्र से संधारा के ग्राम वासियों व छात्रों में आशा और उम्मीद की किरण जगी है साथ ही इस क्षेत्र के छात्रों को लगभग 2 किलोमीटर दूर आसपास विद्यालय नहीं होने से बडी समस्या का सामना करना पड रहा था। इस मांग से इस समस्या के समाधान की पूरी उम्मीद जगी है ग्राम वासियों ने आशा व्यक्त करी है कि शीघ्र ही संधारा में विद्यालय की स्थापना हो जाएगी जिससे बच्चों के उज्ज्वल भविष्य का सपना साकार होता रहेगा।

प्रो. आशा पटेल का हुआ राष्ट्रीय एकता शिविर जम्मू में दल प्रबंधन के रूप में चयन

मनासा, 09 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। उच्च शिक्षा विभाग के तत्वावधान में पीएसपीएस, जीसीडब्ल्यू, गांधी नगर, जम्मू में नारी शक्ति के प्रतीक महिला सशक्तिकरण विषय पर एनएसएस राष्ट्रीय एकता शिविर (एनआईसी), दिनांक 03 से 09 जनवरी 2025 तक आयोजित किया गया। जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई शासकीय रामचंद्र विश्वनाथ महाविद्यालय मनासा के कार्यक्रम अधिकारी प्रो. आशा पटेल का म.प्र. दल प्रबंधन के रूप में चयन हुआ और म.प्र. का प्रतिनिधित्व किया। पूरे मध्यप्रदेश से अलग-अलग जिलों से 10 स्वयंसेविकाओं का चयन इस शिविर में किया गया था। जहां अलग-अलग राज्यों से स्वयंसेवक इस शिविर में शामिल हुए थें। जहां एक दूसरे राज्यों की संस्कृति, भाषा शैली, परंपरा आदि आदान-प्रदान करने एवं सीखने का अवसर इस शिविर में मिलता है। चयन पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ.एम.एल. धाकड, कार्यक्रम समन्वयक डॉ. विजय वर्मा सहित समस्त महाविद्यालय स्टाफ एवं स्वयंसेवकों ने बधाई शुभकामनाएं प्रेषित की।

सिन्धी समाज को संगठित रहना चाहिए-आचार्य रामानुजजी

मंदसौर, 09 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। दुबई(यूएई) के नीचे फारस की खाडी से सिन्धी समाज के इतिहास का आरंभ होता है, वेदों में भगवान श्री वरूणदेवजी के स्वभाव में अत्यन्त ही सरलता के दर्शन होते है। शास्त्रों एवं शुक्ल यजुर्वेद वेदों में भी भगवान श्री वरूणदेवजी के सरलता एवं सहजता के दर्शन होते है। जहां पर जल यानी पानी है वहां से

वरूणदेव का अवतार प्रारंभ होता है। भगवान श्री झूलेलाल जी एवं सिन्धु सभ्यता पर उक्त दुर्लभ जानकारी श्री झूलेलाल सिन्धु महल में आयोजित एक सम्मान समारोह में आचार्य मर्मज्ञ रामानुज महाराज ने सिन्धी समाज की उपस्थित संगत को अपने मुखारविंद से अमृतमयी वर्खा में कही।

इस आशय की जानकारी सिन्धु महल के उपाध्यक्ष नन्दू आडवानी ने देते हुए बताया कि आचार्य श्री ने कहा कि वेदों में रावण के वरुण लोक में जाने का उल्लेख मिलता है, आपने अपने प्रवचनों में कहा कि सिन्धी समाज को संगठित रहकर अनुशासन की मर्यादा में जीवन जीना चाहिए। आपने नगर में चलरही विशाल रामकथा का उल्लेख करते हुए 21 कन्याओं के सामूहिक विवाह के आयोजन की जानकारी देते हुए इस महायज्ञ में सिन्धी समाज से आहूति की अपेक्षा की तो पूज्य सिंधी जनरल पंचायत के अध्यक्ष वासुदेव सेवानी ने उनकी माता स्व. श्रीमती जेटी बाई आसनदास सेवानी की पुण्य स्मृति में उनके सुपुत्रो सुन्दर दास, जयकुमार, वासुदेव सेवानी परिवार, पूज्य सिन्धी भाई बंध पंचायत सामूहिक विवाह समिति की ओर से एक कन्या के विवाह एवं स्व. सेठ दुलहानामल (दरबार) ककनानी, स्व.श्रीमती सीताबाई शितलप्रसाद ककनानी, स्व. हिना ककनानी की पावन स्मृति में प्रमोद एवं शौकि ककनानी ने एक कन्या हेतु एक-एक- लाख रू. याने 3 कन्याओं के विवाह हेतु 3 लाख रुपये कन्याओं के विवाह हेतु को देने की घोषणा की। आपश्री का स्वागत सत्कार सिंधु महल परिवार के दृष्टनन्द नैनवानी, वासुदेव खैमानी, नन्दू आडवानी, पुरूषोत्तम शिवानी, काऊ जजवानी, वासुदेव सेवानी, गिरीश भगतानी, मनोहर नैनवानी, डॉ. सुरेश पमनानी, ताराचन्द जेठवानी, दयाराम जैसवानी, रमेश लवाणी, सिन्धी समाज केराम कल्याणी , रुपचंद होतवानी, नरेश जजवानी, प्रमोद ककनानी, राजेश चाहूजा, प्रीतम खैमानी, सुंदर सेवानी, रूपचद होतवानी, शौंकी ककनानी, राजेश ज्ञानानी, सुरेश बाबानी एवं मातृ शक्ति आदि ने कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन पुरुषोत्तम शिवानी ने किया। आभार प्रदर्शन संयोजक दृष्टनन्द नैनवानी एवं गिरधारी लाल (काऊ) जजवानी ने प्रकट किया।

युवाओं के आदर्श स्वामी विवेकानंद

मंदसौर, 09 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। भारत की पावन धरा में समय-समय पर विलक्षण प्रतिभाओ ने जन्म लेकर सम्पूर्ण विश्व मे देश का नाम गौरवान्वित किया है।

उठो जागो और तब तक न रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए का ऊर्जावान संदेश देने वाले भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान के अग्रदूत युगपुरूष स्वामी विवेकानंद देश की महान और महत्वपूर्ण विभूतियों में से है। जिन्होने 40 वर्ष से भी कम आयु में सम्पूर्ण विश्व को अपने तेजस्वी विचारो से जीतकर संसार से विदा ली थी। जब देश दासता में जकडा था उस समय स्वामी जी ने उतिष्ठजाग्रत का आव्हान किया और जन-जन को जाग्रत करने का बीडा उठाकर एक नई सांस्कृतिक व आध्यात्मिक चेतना का सृजन किया। विश्वभर में जब भारत को किसी प्रकार की सम्मान की दृष्टि से नही देखा जाता था ऐसे में उन्होंने अपने को सभ्य और शिक्षित समझने वाले पाश्चात्य देशो को आइना दिखाया। अपनी मेधा और संकल्प से स्वामी विवेकानंद ने संपूर्ण विश्व को नतमस्तक करा दिया। स्वामी विवेकानंद की श्वास - श्वास और रोम-रोम में एक ही चिंता थी भारत का पुनरुथान। 11 सितंबर 1893 को शिकागो (अमेरिका) में हुवे विश्व धर्म सम्मेलन में देश के प्रतिनिधि के रूप में उन्होने अमेरिकी जनता के सामने हिंदू धर्म और संस्कृति का प्रतिपादन किया जिसे सुनकर अमेरिका वासियो के मन मे इस युवा सन्यासी के प्रति अगाध श्रद्धा उमड पडी। रवींद्रनाथ टैगोर ने कहा था कि यदि भारत को जानना है तो विवेकानंद को पडो। नरेंद्र से विवेकानंद बने इस युवा संन्यासी ने जीवन भर कष्ट और दीनता देखी पर वह अपने लिए नही, उनका हृदय भारत की दुर्दशा के लिए रोता था। भारत के आत्मगौरव के लिए उन्होने संकल्प लिया।विश्व जिसके सामने नतमस्तक हो ऐसा भारत निर्माण करना हे।स्वामी जी ने पूरे भारत का भ्रमण किया। वे हर जगह एक ही वाक्य भारत के पुननिर्माण के लिए कहते थे मुझे मनुष्य चाहिए। करोडो जनसमूह में उन्हें कोई ही मनुष्य दिखता और उसको जोड़ने के लिए वह स्वयं उसके पास पहुंच जाते।वे उसे किसी देवी देवता की भक्ति करने के स्थान पर भारत भक्ति करने को कहते उनकी भारत भक्ति का अर्थ नया था। जिसे निरक्षर देखकर सुशिक्षित करने की चाह हो, ग़रीबो को देखकर अपनी संपति बांटने की इच्छा हो, भूखे को घर बुलाकर भोजन कराने का भाव हो वही देशभक्त है। वे कहते थे भारत का पुनरुथान ऐसे ही मनुष्यो के माध्यम से संभव है। स्वामी जी के विचार सम्पूर्ण मानव समाज को साहस व प्रेरणा देने वाले है और वर्तमान में भी उतने ही प्रासंगिक है। उन्होंने देश की शक्ति व ऊर्जा युवाओ को माना था। आज स्वामी जी के जन्मदिवस के अवसर पर हम युवा दिवस भी मनाते है। युवा तरुणाई देश की धडकन और नेतृत्वकर्ता है। आज इस पवित्र दिवस पर हम सभी युवाओ को संकल्पित होकर सामाजिक व राष्ट्रीय उत्थान के लिए कार्य करना होगा। युवा पीढी को समाज और राष्ट्र में सामाजिक कार्यो के साथ लोकतंत्र में भी अपनी सकारात्मक भूमिका निभानी होगी तभी इस देश का नवपथ तैयार होगा। आज हमे युवाओ के मार्गदर्शक, प्रेरणास्त्रोत स्वामी विवेकानंद जी के बताए मार्ग पर चलने की आवश्यकता है। चिर पुरातन प्राचीन भारतीय संस्कृति और सांस्कृतिक मूल्यो के रक्षार्थ संकल्पित होकर देश की एकता अखंडता को कायम रखते हुवे भारतमाता को परम वैभव पर पंहुचाने का स्वप्न साकार करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करे और भारत को पुन: विश्वगुरु के पद पर आसीन करे इसी भाव और संकल्प के साथ आप सभी को स्वामी विवेकानंद जयंती व युवा दिवस की आत्मीय शुभकामनाएं...।

गौरव सोनी, मन्दसौर

पत्र संपादक के नाम
संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

राजस्व वसूली शिविर आज किटीयानी में लगेगा

मंदसौर, 09 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला राजस्व एवं बाजार समिति की प्रभारी श्रीमती कौशल्या बंधवार एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी सुधीर कुमार सिंह द्वारा बताया गया कि नगरपालिका परिषद मंदसौर द्वारा करदाताओ की सुविधा के लिए वार्ड वार संपत्तिकर शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसके तहत दिनांक 10 जनवरी 2025 को वार्ड क्रमांक 1,8 एवं 40 स्थान- किटीयानी डुप्लेक्स के सामने शिविर लगाया जाएगा।

छत्तीसगढ़ में पत्रकार के हत्यारों को मृत्युदंड देने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

पिपलियामंडी, 09 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। छत्तीसगढ में स्तंत्र पत्रकार मुकेश चन्द्रकार की हत्याकांड में शामिल समस्त दोषियों पर सख्त कार्रवाई कर मृत्युदंड दिलवाने

की मांग को लेकर पत्रकार हितार्थ एव सामाजिक कल्याण समिति ने राष्ट्रपति केनाम मल्हारगढ तहसीलदार ब्रजेश मालवीय को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन का वाचन करते हुए समिति सचिव जेपी तेलकार ने बताया छत्तीसगढ के बीजापुर जिले में स्वतंत्र पत्रकार मुकेश चन्द्राकर की पीडब्ल्यूडी ठेकेदार सहित चार आरोपिया ने योजनाबद्ध तरीके से 11 नवम्बर 2024 को हत्या कर शव को सेप्टिक टेंक में डाल दिया था। यह हत्याकांड लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर हमला है। घटना की जितनी निंदा की जाए कम है। इस हत्याकांड से देश के समस्त पत्रकारों में काफी आक्रोश है। इस तरह की घटना से पत्रकार काफी आहत है। घटना की पुनरावृत्ति न हो, इसलिए मामले में गिरफ्तार हुए। साथ ही पत्रकारों की सुरक्षा के लिए बनाए गए कानून को सख्ती से लागू कराया जाए। इस अवसर पर पत्रकार हितार्थ एवं सामाजिक कल्याण समिति अध्यक्ष जगदीश पंडित, बाबूलाल नागर, प्रकाश बंसल, मनोहर काबरा, शंभू मेक, राजेश फरक्या नरेन्द्र राठौर, निखिल सोनी, महेश मरेठा आदि उपस्थित रहे।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	250	2201	2511
उडद	12	5196	6099
सोयाबीन	3600	3800	4341
गैहु	1192	3020	3248
चना	130	5300	6270
मसुर	85	4300	6092
धनिया	230	5555	7590
लहसुन	12000	11100	25500
मैथी	280	4611	6090
मुंगफली	2313	3800	5281
अलसी	910	5859	6200
सरसो	210	5500	5820
तारामीरा	1	4751	4751
इसबगोल	50	9400	13001
प्याज	13500	700	2250
कलोंजी	3	5151	14800
तुलसी बीज	5	14401	15280
डॉलर	8	5500	10001
तिल्ली	60	10000	12110
जौ	26	2796	2800
मटरसुखी	6	2700	6431
असालीया	22	11000	13821
चियाबीज	45	14800	16190

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग (वि/यां.) संभाग उज्जैन, रेल्वे ओव्हर ब्रीज के पास, फ्रीगंज, उज्जैन म.प्र.

E-mail:- eepwdelecujn@nic.in दुरभाष क्रं.-0734-2561560

निविदा विज्ञप्ति क्रमांक 11/(1)/टी.सी./पीडब्ल्यूडी/ईएम/2024-25 उज्जैन, दिनांक 03.01.2025

निम्नलिखित कार्यो हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

सं. क्रं.	टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का नाम	आमंत्राण क्रं.	ठेके की अनुमानित राशि (रु. लाख में)	अर्नेस्ट मनी की राशि (राशि रु.में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2025_PWDRB_392714_1	मंदसौर	गर्ल्स डिग्री कालेज मंदसौर में विद्युतीकरण कार्य	प्रथम	15.19	30,380	45 दिवस
कुल योग					15.19		

उपरोक्त वेबसाईट ऑनलाईन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं प्रस्तुत करने की अंतिम दिनांक 18.01.2025 सायं 17.30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा। अर्नेस्ट मनी एवं अन्य दस्तावेज केवल ऑनलाईन ही प्राप्त किये जावेंगे।

कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि. (वि/यां.) संभाग उज्जैन
फोन - 0734-2561560

G-21321/2025

दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद् मन्दसौर (म.प्र.)

क्रमांक 39/नामांतरण/2024

नामातंरण विज्ञप्ति

मन्दसौर दिनांक 09.01.2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय को निम्नलिखित भवनों/ भूमियों पर नामातंरण हेतु आवेदन पत्र प्राप्त हुए है। जिस किसी को इन आवेदनो पर आपत्ति हो तो उक्त विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर आपत्ति मय ठोस दस्तावेज के साथ प्रस्तुत कर सकते है। समयावधि के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा तथा नियमानुसार नामातंरण की कार्यवाही की जावेगी। सूचित हो।

क्र.	प्रकरण क्र.	मोहल्ला	वार्ड नं.	प्लाट/ मकान नं.	नगर पालिका रिकार्ड में दर्ज नाम	अंतरण कराने वाले का नाम	किसके हक में अंतरण होगा	माध्यम/ आधार
1	1931x7/2024	पद्मावति कालोनी	20	प्लांट नं.36 का भाग 15	चतरभूज पिता वरदीचंद	जगदीश पिता बद्रीलालजी	गीताबाई पति दुर्गाशंकर व्यास	विक्रय पत्र
2	1932x7/2024	न्यू आनंद विहार4	5	प्लांट नं.260	विकाससिंह पिता कैलाशसिंह सोलंकी	विकाससिंह पिता कैलाशसिंह सोलंकी	प्रतीक पिता गोपाल माली	विक्रय पत्र
3	1933x7/2024	नवरत्न विहार	39	प्लांट नं. 39	गुडडीबाई पति रामप्रसाद गौड़	गुडडीबाई पति रामप्रसाद गौड़	शंकरलाल पिता नाथूलाल भाटी	विक्रय पत्र
4	1934x7/2024	कालिदास मार्ग	18	दुकान 176 व गोडाउन	वीरेन्द्रकुमार पिता लक्ष्मीलाल मारु व आदि	वीरेन्द्रकुमार पिता लक्ष्मीलाल मारु व आदि	दिलीप पिता मनोहरलाल सोनी	विक्रय पत्र
5	1935x7/2024	नंदा नगर2	5	प्लांट नं.99	फर्म नंदा प्रापर्टीज किटियानी प्रितेश चावला पिता कैलाश चावला व आदि	फर्म नंदा प्रापर्टीज किटियानी प्रितेश चावला पिता कैलाश चावला व आदि	वंदना पति अमित बिवरे	विक्रय पत्र
6	1936x7/2024	न्यू आनंद विहार	5	मकान नं.51	कृष्णकुमार पिता बापूलाल सोनी	कृष्णकुमार पिता बापूलाल सोनी	ईश्वरलाल पिता बापूलाल पाटीदार	विक्रय पत्र
7	1937x7/2024	नवकार गोल्ड फेस2	4	मकान 144	मनीषकुमार पिता डॉ. गोपाल शर्मा	मनीषकुमार पिता डॉ. गोपाल शर्मा	शिवम पिता सुरेशचंद्रजी	विक्रय पत्र
8	1938x7/2024	गौतम नगर रोड 5	18	मकान नं. 76	स्व. माणकलाल पिता मन्नालाल गुप्ता	स्व. माणकलाल पिता मन्नालाल गुप्ता	शांता पति स्व. माणकलाल गुप्ता	शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र
9	1939x7/2024	जिन कुशल विहार	39	प्लांट नं. ए 8 का भाग	मुलचंद पिता निरभेराम पाटीदार व आदि.	मुलचंद पिता निरभेराम पाटीदार व आदि.	बसंतीलाल पिता भंवरलाल पाटीदार	विक्रय पत्र
10	1940x7/2024	सिद्धश्री विहार	39	प्लांट नं. 40	राजेश पिता कारुलाल सोनी व आदि	विक्रमसिंह पिता मानसिंह सोलंकी	सुनील पिता कमलसिंह खिंची संजय पिता किशनलाल चौहान	विक्रय पत्र
11	1941x7/2024	सिद्धश्री विहार	39	प्लांट नं. 46	वंदना पति रविकुमार गेहलोत	वंदना पति रविकुमार गेहलोत	मोहित पिता अशोककुमार शर्मा	विक्रय पत्र
12	1942x7/2024	नवकार गोल्ड	4	प्लांट नं. 121	भूमिका पति मोहन लालवानी	भूमिका पति मोहन लालवानी	मधुबाला पति महेन्द्र जैन	विक्रय पत्र
13	1943x7/2024	पटवा गली	19	प्लांट नं. 12 का भाग	श्यामलाल पिता चुन्नीलाल बघेरवाल	श्यामलाल पिता चुन्नीलाल बघेरवाल	निर्मलाबाई पति भगवानलाल अहिर	विक्रय पत्र
14	1944x7/2024	दत्त मंदिर रोड	13	प्लांट नं. 187 का भाग	गजराज पिता स्व.जसकरण जैन व आदि	गजराज पिता स्व.जसकरण जैन व आदि	मकबुल हुसैन पिता छोटे खां	विक्रय पत्र
15	1945x7/2024	मदारपुरा	34	मकान नं.136	स्व. नासीर अली पिता स्व. ईनायत अली	स्व. नासीर अली पिता स्व. ईनायत अली	जमीलाबी पति जाकिर शाह	शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, वसीयतनामा

राजस्व अधिकारी
नगर पालिका मन्दसौर (म.प्र.)

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद मन्दसौर (म.प्र.)

हॉकी में राष्ट्रीय विजेता बने अजय व भरत

राष्ट्रीय स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में अजय व भारत ने 7-7 गोल मारे

मंदसौर, 09 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। 3 से 7 जनवरी तक तक भोपाल में होने वाली मिनी बालक राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश विजेता रहा प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश की ओर से मंदसौर के दो खिलाड़ियों में मध्य प्रदेश को जिताने में बहुमूल्य योगदान दिया। यह जानकारी हॉकी मंदसौर के सचिव अविनाश उपाध्याय व अध्यक्ष कुलदीप सिंह सिसोदिया ने उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश में अपने लीग मैच में तेलंगाना, महाराष्ट्र, राजस्थान को हराया जबकि क्वार्टर फाइनल में मणिपुर को क्वार्टर सेमी फाइनल में उड़ीसा को और फाइनल में उत्तर प्रदेश को 1-0 से

हराया ज्ञात रहे पूरी प्रतियोगिता में भारत व अजय ने 7- 7 गोल किया।

और सेमी फाइनल जो उडीसा से हुआ उसमें 3-0 से मध्य प्रदेश उड़ीसा के विरुद्ध जीती तीनों गोल मंदसौर के खिलाड़ियों ने किया जिसमें अजय के 2 गोल व भरत ने एक गोल किया। अजय भरत दोनों के खेल की शुरुआत कक्षा 6टी से हुई वह इसके बाद मध्य प्रदेश शासन द्वारा मंदसौर में संचालित हॉकी फीडर केंद्र व केंद्र सरकार द्वारा संचालित खेलो इंडिया सेंटर में प्रशिक्षणरत रहे बच्चों की उपलब्धि पर हॉकी मंदसौर के संरक्षक यशपाल सिंह सिसोदिया, विशाल गोयल, त्रिभुवन कविश्वर, जिला खेल अधिकारी विजेंद्र देवड़ा, हॉकी मंदसौर एसोसिएशन के अध्यक्ष कुलदीप सिंह सिसोदिया, सचिव अविनाश उपाध्याय, कोच रवि कोपरगांवकर, दिनेश यादव, शैलेंद्र मसीह, खेलो इंडिया एन,आई,एस कोच वैभव चौरसिया, मीत चौहान, मंगल बैरागी, ओमप्रकाश गुर्जर, राजेंद्र सिंह, भरत सिंह, शासकीय महाविद्यालय मंदसौर के खेल अधिकारी राजू कुमार, शासकीय महाविद्यालय दलोदा के खेल अधिकारी अब्दुल रज्ज़ाक, सीनियर खिलाड़ी संजय तोमर, मनोज जैन, अंकित मंडोर, राकेश श्रीवास्तव, भारत देवड़ा, अजय सिंह गौड़, कमलेश शर्मा, शैलेंद्र परिहार, पिंटू आर्थर, डॉ हिमांशु यजुर्वेदी दुबेला क्लब के अध्यक्ष श्री विनय दूबेला, अमर क्लब के अध्यक्ष श्री भानु प्रताप सिंह सिसोदिया, आदि ने बधाई दी व उनकी उज्वल भविष्य की कामना की। उक्त जानकारी जिला हॉकी संगठन जनसंपर्क अधिकारी जितेन्द्र कनौजिया ने दी।

हर पंचायत नंबर वन बनेगी, गांवों में विकास के लिए राशि की कमी नहीं आएगी-जैन

मंदसौर, 09 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। ग्रामीण क्षेत्रों में विकास को गति देते हुए आज मंदसौर जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत माल्याखेड़ी में लोकप्रिय विधायक विपिन जैन ने आज 13 लाख के विकास कार्यों का भूमि पूजन किया।

इस भूमि पूजन कार्यक्रम के अवसर पर उपस्थित ग्राम पंचायत वासियों को संबोधित करते हुए लोकप्रिय विधायक श्री विपिन जैन ने कहा कि आपके गांव के विकास कार्यों में राशि की कमी नहीं आने दी जाएगी साथ ही मंदसौर विधानसभा के किसी भी गांव में विकास कार्यों में रॉशि की कमी नहीं रहेगी। सभी ग्राम पंचायत में विकास के कार्य कराए जाएंगे। इस अवसर पर श्री जैन ने आगे कहा कि विधायक निधि विकास कार्यों के लिए ही होती है और में पूरे 5 साल आपके बीच रह कर आपके सुख-दुख में सहभागी बनूंगा और जल्द ही मंदसौर विधानसभा के 115 गांव में शिवना बैराज सिंचाई योजना के तहत हर गांव को सिंचाई के लिए पानी सुलभ उपलब्ध हो सकेगा। इस अवसर पर मंदसौर ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष श्री विकास दशोरा ने कहा कि गांव की क्या समस्या होती है वह विधायक भली प्रकार से जानते हैं क्योंकि वह भी एक समय सरपंच पद पर रहे हे और अभी मंदसौर विधानसभा के कई गांव में विकास कार्य माननीय विधायक के हाथों शुरू हो चुके हैं आगे भी विकास तेजी से जारी रहेगा। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर शुरुआत की गई इस अवसर पर विधायक विपिन जैन ने विकास कार्यों का भूमि पूजन किया इस अवसर पर विधायक विपिन जैन का मालिया खेड़ी सरपंच शब्बीर नवाब अजमेरी ने पुष्माला से स्वागत किया साथ ही कई ग्रामीण जन ने इस अवसर पर विधायक व अतिथियों का पुष्पमाला से स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन मंदसौर ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस के कार्यवाहक अध्यक्ष डॉक्टर घनश्याम कुमावत ने किया आभार माल्या खेड़ी ग्राम पंचायत के सचिव ओमप्रकाश अहिरवार ने माना। इस अवसर पर जिला कांग्रेस प्रवक्ता राजनारायण लाड़,हारुन भाई बादाखेड़ी, किशन धनगर,इस्माइल भाई गौरखेड़ी,मंडलम अध्यक्ष राजेंद्र कुमावत ,सेक्टर अध्यक्ष शब्बीर भाई,शब्बीर नवाब अजमेरी, सरपंच मालिया खेड़ी ,दिनेश जाट सरपंच दावतखेड़ी, श्याम साल्वी, बालकृष्ण मालवीय, कैलाश कुमावत ,रमेश धनगर, रफीक मेव सरपंच अचेरा, मनसब अजमेरी आदि इस अवसर पर उपस्थित थे साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण जन भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

चायनीज मांझे के ट्रांसमिशन लाइनों के संपर्क से संभावित दुर्घटना से बचाव हेतु रोको-टोको अभियान

मंदसौर, 09 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनीद्ध की ट्रांसमिशन लाइनों के समीप चायनीज मांझे से पतंग उड़ाने के कारण संभावित दुर्घटना की आशंकाओं पर अंकुश लगाने और नागरिकों को सतर्क तथा सुरक्षित करने प्रदेश में एमपी ट्रांसको ने रोको-टोको अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिये एम.पी. ट्रांसको ने स्थानीय जिला प्रशासन से चायनीच मांझे के इस्तेमाल पर रोक तथा ट्रांसमिशन लाइनों के समीप के उन क्षेत्रों को संवेदनशील और खतरनाक घोषित करने के लिये अनुरोध किया है।

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने आग्रह किया है की ट्रांसमिशन लाइनों के पास पतंग नहीं उड़ायें। उन्होंने बताया कि प्रदेश में बहुतायत पतंग उड़ाये जाने वाले संवेदनशील क्षेत्रों में नागरिकों से व्यक्तिगत संपर्क किया जा रहा है। इसके अलावा पोस्टर बैनर एवं पब्लिक एनाउंसमेंट सिस्टम के माध्यम से उन्हें सचेत एवं सतर्क किये जाने का अभियान भी चलाया जा रहा हैए जिससे नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। साथ ही उपभोक्ताओं को विद्युत के अनावश्यक व्यवधान का सामना न करने पड़े। गत वर्ष राजधानी भोपालए इंदौरए उज्जैनए धार सहित कुछ स्थानों पर ट्रांसमिशन लाइनों में चायनीज मांझा के साथ पतंग फंसने की घटनाओं के बाद विद्युत व्यवधान हुआ था तथा पतंग उड़ाने वालों को भी नुकसान पहुँचा था। एमण्पीण् ट्रांसको के संवेदनशील प्रोटेक्शन सिस्टम के 100 प्रतिशत ऑपरेट होने से बड़ी जनधन हानि से बचा जा सका था।

क्यों घातक है चायनीज मांझा- चायनीज मांझा में कई तरह के केमिकल और धातुओं का इस्तेमाल किया जाता है। जो डोरी को बिजली का अच्छा सुचालक बना देता है। यह संपर्क में आने से पतंग उड़ाने वाले के लिये घातक साबित होता है। साथ ही ट्रांसमिशन लाइन में लिपटने से चीनी मांझे से क्षेत्र में विद्युत व्यवधान की आशंका भी रहती है।

महानिदेशक होमगार्ड ने नवीन बैरक का लोकार्पण किया

मंदसौर, 09 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। महानिंदेशक होमगार्ड श्री अरविंद कुमार ने नवीन बैरक का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने बैरक का निरीक्षण किया। तत्पश्चात जवानों का सम्मेलन लिया गया। जिसमें उनके द्वारा स्वास्थ्य संबंधी सलाह एवं अच्छे टर्न आउट में रहने की हिदायत दी गई।

सभी नोडल अधिकारी अनिवार्य रूप से जन कल्याण शिविरों में जाए -कलेक्टर

मंदसौर, 09 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग की अध्यक्षता में जन कल्याण अभियान के लिए नियुक्त सभी नोडल अधिकारियों की समीक्षा बैठक सुशासन भवन सभागार में आयोजित की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर ने सभी नोडल अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी नोडल अधिकारी अनिवार्य रूप से जन कल्याण अभियान के शिविरों में जाएं। इसके साथ ही जितने भी आवेदन आते हैंए उनको ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज करें। श्रम विभाग सभी पात्र व्यक्तियों को संबल योजना से जोड़े। शिविर में अधिक से अधिक आवेदन आएए इसके लिए सभी नोडल अधिकारी विशेष प्रयास करें। कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं से वंचित न रहे। इस बात का विशेष ध्यान रखें। जिन शिविरों में अब तक 50 से कम आवेदन आए हैंए वहां पर दोबारा शिविर आयोजित करें। एक भी पत्र व्यक्ति शासन की योजनाओं से वंचित नहीं रहना चाहिए। शिविर में 70 से अधिक उम्र के व्यक्तियों का आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए सीएससी सेंटर के एक कर्मचारी को अनिवार्य रूप से शिविर में बुलाएं। इसके साथ ही शिविर में सीएचओ अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे। जिससे पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बन सके। शिविर के दौरान लाभ प्राप्त करने वाली हितग्राहियों को प्रमाण पत्र वितरित करें।

जनकल्याण अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले शिविर की निगरानी के लिए जिला पंचायत में कंट्रोल रूम स्थापित करें। प्रतिदिन शिविर में प्राप्त होने वाले आवेदनों की जानकारी प्राप्त करें। बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन सभी नोडल अधिकारी मौजूद थे।

स्वामी विवेकानंद के जन्म दिवस 12 को होगा सामूहिक सूर्य नमस्कार

मंदसौर, 09 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में स्वामी विवेकानंद के जन्म.दिवस 12 जनवरी को प्रतिवर्ष युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। युवा दिवस के मौके पर विद्यालयोंए महाविद्यालयों और शिक्षण संस्थाओं में सामूहिक सूर्य.नमस्कार का आयोजन किया जाता है। सामूहिक सूर्य.नमस्कार के साथ स्वामी विवेकानंद पर केन्द्रित प्रेरणादायी शैक्षिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जाते हैं।

स्कूल शिक्षा विभाग ने आयुक्त लोक शिक्षण को सामूहिक सूर्य.नमस्कार और इससे जुड़े कार्यक्रमों में स्वयंसेवी संगठनों और आम लोगों की भागीदारी भी सुनिश्चित करने के लिये कहा है। विभाग द्वारा जारी निर्देशों में कहा गया है कि प्रदेश की समस्त विद्यालयीन संस्थाओं में 12 जनवरी को प्रातरू 9 से प्रातरू 10रू30 बजे तक सामूहिक सूर्य.नमस्कार का आयोजन हो। कार्यक्रम में राष्ट्रीय गीत वंदे.मातरम और मध्यप्रदेश गान का सामूहिक गायन होगा। इसी दौरान मुख्यमंत्री डॉण् मोहन यादव का रेडियो पर संदेश प्रसारित होगा। सामूहिक सूर्य.नमस्कार समस्त शिक्षण संस्थाओं में एक साथए एक संकेत पर किया जायेगा। कार्यक्रम के आयोजन के संबंध में जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति का गठन किये जाने के निर्देश दिये गये हैं।

जिला जैल कनावटी में टीबी जांच शिविर सम्पन्न

नीमच, 09 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। जिला जेल कनावटी (नीमच) में गुरूवार को टी.बी. मुक्त भारत अभियान के तहत बंदियों की जाँच के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में डॉ.आर.के.खाद्योत, डॉ.किशन जैन एवं डॉ.सतीश मालवीय(टी.बी.विशेषज्ञ) उपस्थित थे। स्वास्थ्य शिविर में सभी बंदियों को टी.बी.मुक्त भारत बनाने की शपथ भी दिलवाई गई। तीन दिवस चलने वाले इस कैंप में जैल में परिरूद्ध सभी बंदियों का स्वास्थ्य एवं टी.बी.परीक्षण किया जा रहा है। गुरूवार को 100 बंदियों का हैंड हेल्ड एक्सरे मशीन से टी.बी.परीक्षण किया गया। इस अवसर पर जेल अधीक्षक श्री व्हाय.के.मांझी, जैल चिकित्सनक डॉ.अजित शक्तावत एवं अन्य जैलकर्मी भी उपस्थित थे।

जिला पंजीयक ने जारी की बड़े बकायादारों की सूची, बकाया राजस्व जमा करवाने के दिए निर्देश

नीमच, 09 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। जिला पंजीयक नीमच श्री जीएल मण्डलोई ने बताया कि पंजीयन विभाग अन्तर्गत कई बकायादारों पर लाखों रूपये की आरआरसी बकाया है। जिनको काफी समय से बकाया राशि जमा कराने हेतु नोटिस जारी किए जा रहे हैं किन्तु उनके द्वारा विभाग की बकाया राशि जमा नहीं कराई जा रही है। इन बड़े बकायादारों में मुख्य रूप से पृथ्वीराज डालुराम सोनी (वर्धमान इन्टरप्रायजेस मंदसौर) पर 18.33 लाख, नितिन विद्यासागर जाजू एवं सम्पत स्वरूप सीताराम जाजू नीमच पर 15.55 लाख, प्रमोद अर्जुनलाल समदानी (भाग्यश्री फूड प्रोसेसिंग, साण्डिया) पर 15 लाख, शकिला पिता यासिन पिंजारा नीमच पर 7.82 लाख, रूपये की राशि बकाया है।

इसी तरह भावना रूपेश अस्तोलिया मनासा पर 4.54 लाख, मुक्ता सतीश बांगा मनासा पर 3.73 लाख, भेरूलाल रावत मैलानखेड़ा (बालाजी माईन्स एवं मिनरल्स) पर 3 लाख, मानकुंवर प्रहलाद पाटीदार ग्राम-बनी, तहसील-मनासा पर 2.97 लाख, ललित रतनलाल बम्ब मनासा पर 2.44 लाख, युसुफ मोहम्मद हुसैन बोहरा मनासा पर 2.22 लाख, गुणबाला अशोक जैन नीमच पर 2.19 लाख, सुमित्रा दशरथ पाटीदार बड़ोदिया बुजुर्ग, तहसील-मनासा पर 2.13 लाख, मोहन मदनलाल बांगा मनासा पर 2.13 लाख, अब्दुल अययुब अब्दुल रज्ज़ाक नीमच पर 2.04 लाख, सतीष गिरीराज किशोर एवं लाजवन्ती प्रमोद अग्रवाल नीमच पर 1.73 लाख, हरिओम शेषमल चौहान नीमच पर 1.63 लाख, जमील कादर खान काजीपुरा रामपुरा पर 1.61 लाख, रूपये की राशि बकाया है। इसके अलावा रमेश प्रभुलाल गायरी ग्राम नेवड पर 1.49 लाख, शंकर जगदीश सिंहल चित्तौडगढ पर 1.45 लाख, लक्ष्मीनारायण सीताराम गायरी रामपुरा पर 1.45 लाख, मंसूरअली ताहेरअली नीमच पर 1.4 लाख, गोपाल हीरालाल बंजारा मोरवन पर 1.39 लाख, विनोद समरथमल महाजन पिपलियारावजी पर 1.34 लाख, रतन रामलाल गायरी नीमचसिटी पर 1.17 लाख, नानूराम गंगाराम गायरी नीमचसिटी पर 1.17 लाख, कपिल राजेश अजमेरा पर 3 लाख, किरण भगतराम पाटीदार डीकेन पर 1.11 लाख, शैलेन्द्र अभय नांदेचा नीमच सिटी पर 1.03 लाख, आशीष नानूराम कोठारी रामपुरा पर 1.10 लाख, शंकर जगदीश सिंहल अरनिया जोशी तह. निम्बाहेडा पर 1 लाख की राशि बकाया है। जिला पंजीयक श्री मण्डलोई ने बताया कि अगर जल्द ही इन बकायादारों द्वारा विभाग की बकाया आरआरसी राशि जमा नहीं कराई गई तो नियमानुसार कुर्की की कार्यवाही कर बकाया राजस्व की वसूली की जाएगी।

यूटीआरसी और सुप्रीम कोर्ट के सुकन्या शांत मामले अंतर्गत जागरूकता शिविर सम्पन्न

मंदसौर, 09 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीशध्अध्यक्षए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर श्री कपिल मेहता के मार्गदर्शन में जिला जेल मंदसौर में अंडर ट्रायल रिव्यू कमेटी एवंमाननीयउच्चतम न्यायालय द्वारा सुकन्या शांता मामले में दिए गए निर्देश की जागरूकता के संबंध में जिला न्यायाधीशध्सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर श्री सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन में किया गया।

शिविर के दौरान सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री सिद्धार्थ तिवारी ने बंदियों को 15 जनवरी 2025 को आयोजित होने वाली विचाराधीन बंदी समीक्षा समिति ;यूटीआरसीद्ध की बैठक के बारे में जानकारी दी। उन्होंने यूटीआरसी के तहत आने वाले मामलों की श्रेणियों की व्याख्या की और सुकन्या शांता बनाम भारत संघ मामले में माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा जिलों में जातिगत एवं अन्य आधार पर होने वाले भेदभाव के संबंध में दिए गए दिशा निर्देश संबंध में जागरूक किया। शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री प्रवीण कुमारए जिला जेल अधीक्षक श्री पीण्केण् सिंहए उप अधीक्षक श्री राजेश विश्वकर्माए जेल स्टाफ और कैदियों ने भाग लिया।

संयुक्त उठावना

मेरी बहू, शरदचन्द्र पारीक की धर्मपत्नी, नरेन्द्र, अश्विन, प्रमोद, ऋषि, मुकेश की काकीजी, अक्षय एवं दीपक (पिंटू) की माताजी, गोविन्द की बहन, प्रवीण, रोहित, शिवम की बुआजी श्रीमती गायत्रीदेवी पारीक का निधन दिनांक 8 जनवरी को हो गया। संयुक्त उठावना आज दिनांक 10 जनवरी, शुक्रवार को प्रात: 11 बजे मोड़ धर्मशाला, अभिनन्दन नगर-II, मंदसौर पर रखा गया है।

***** शोकाकुल *****
सत्यनारायण पारीक, शरदचन्द्र पारीक पड़दावाला
पीहर पक्ष- गोविन्द, प्रवीण, रोहित एवं शिवम व्यास मनासा वाला

एट लेन एक्सप्रेस वे का 25 किलोमीटर... पेज 1 से जारी

कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। बीते रविवार-सोमवार की दरम्यानी रात भी एक्सप्रेस-वे पर अज्ञात बदमाशों ने 5 वाहनों पर पथराव किया। इस पथराव में सभी गाड़ियों के कांच फूट गए। जिन वाहनों पर पत्थरबाजी की गई है उनमें एक एनएचएआई की गाड़ी भी शामिल है।

मध्यप्रदेश में महंगी होगी... पेज 1 से जारी

निर्णय लेने के लिए मंत्रि-परिषद समिति का गठन किया था। समिति में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह, महिला-बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया और खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत को शामिल किया गया था। जबकि, प्रमुख सचिव वाणिज्यकर समिति के सचिव थे।

राजकुमार गुप्ता, एडव्होकेट
कार्यालय व निवास-207 तिरूपति नगर, होटल सम्राट के सामने पानी की टंकी के पास स्टेशन रोड, मंदसौर (मप्र)-458001Mobile No-98260-58658 E-Mail-rkguptamds@gmail.com
क्रमांक 87/2025 दिनांक 08.01.2025

***** जाहिर सूचना *****

सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा कानसिंह पिता किशोरसिंह, जाति सोंधिया, निवासी ग्राम दौरवाड़ा, तहसील मल्हारगढ़, जिला मंदसौर से आवासीय मकान भूमि सर्वे नं. 1222 (बी), भूखण्ड क्रमांक 172(पी) पटवारी हल्का नं. 00110 पर दर्ज होकर पता ग्राम दौरवाड़ा, तहसील मल्हारगढ़, जिला मंदसौर उनके हक और हिस्से का स्वत्व: त्याग विधिवत रजिस्टर्ड, स्वत्व त्याग विलेख ई स्टॉम्प कोड क्रमांक एमपी 15आईजीआर 17852025ए100011908, दिनांक 07.01.2025 से मेरे पक्षकार रानुबाई पति कानसिंह, जाति सोंधिया, निवासी ग्राम दौरवाड़ा, तहसील मल्हारगढ़, जिला-मन्दसौर के पक्ष में उप पंजी कार्यालय मल्हारगढ़ में करवाया गया है। उक्त मकान की चतुर्सीमा व पैमाईश निम्नानुसार है-

पूर्व में-गली, पश्चिम में-नाहरसिंह, उत्तर में-गली, दक्षिण में-रास्ता, पैमाईश रकबा-124 वर्गमीटर

उक्त सम्पत्ति पर मेरे पक्षकार द्वारा INDIAN SHELTER FINANCE, CORPORATION LIMITED, Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है, यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार बोझ आदि उक्त सम्पत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के आपत्ति प्रस्तुत करे, वरना बाद गुजरने, मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी जो सूचित हो।

भवदीय
राजकुमार गुप्ता, एडवोकेट मन्दसौर

कार्यालय नगर पालिका परिषद मंदसौर

क्रमाक 16/प्रवि-1/2025 मन्दसौर, दिनांक 8/01/2025

***** निविदा आमंत्रण सूचना *****

समस्त शासकीय विभागों में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारों से अधोलिखित कार्यो हेतु यू.ए.डी.डी. के प्रचलित एस.ओ.आर. दिनांक 02 अगस्त 1931 (सड़क /भवन) में लागू पर प्रतिशत निविदा दिनांक 29/01/2025 को दिन के 4:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है, जो उसी दिन उपस्थित ठेकेदारों के समक्ष खोली जावेगी। निविदा फार्म कार्यालयीन समय में एक दिवस पूर्व तक निर्धारित शुल्क जमा कराकर प्राप्त किया जा सकता है, जो वापसी योग्य नहीं है, निविदा के साथ अमानत राशि नगद, एफ. डी. आर. के साथ ही निविदा स्वीकार की जावेगी। कार्यों से संबंधित अन्य शर्ते एवं जानकारी कार्यालय में कार्यालयीन समय में देखी जा सकती है।

******* कार्य का विवरण *******

क्रं.	कार्य का नाम	प्राक्कलन राशि (लाख में)	अमानत राशि	समयावधि	सक्षम श्रेणी	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1	2	3	4	5	6	7
1	नगर मंदसौर में सीमेन्ट कांक्रीट रोड निर्माण (वार्ड क्रं. 06 नानेश नगर मुख्य मार्ग)(राज्यसभा सांसद निधि)	8,45,233.43	8,452.00	3 माह	सक्षम श्रेणी	2000/-
2	नगर मंदसौर में सीवरेज पाईप लाईन का निर्माण कार्य नंदा नगर मेन गेट से संजीत रोड ओवरब्रीज तक (सांसद निधि)	6,36,434.88	6,364.00	3 माह	सक्षम श्रेणी	2000/-
3	वार्ड क्रमांक 33 रामघाट स्थित रॉ वाटर के सामने उद्यानों की बाउण्ड्रीवाल मरम्मत एवं नवीनीकरण कार्य (निकाय निधि)	97,857.00	2,000.00	2 माह	सक्षम श्रेणी	1000/-
4	वार्ड क्रं. 29 में हरीजन बस्ती देहली गेट चौक में सीमेंट कांक्रीट रोड निर्माण कार्य (निकाय निधि)	69,215.30	1,400.00	2 माह	सक्षम श्रेणी	1000/-

1. बिना धरोहर राशि एवं सशर्त निविदा मान्य नहीं होगी। 2. एक या एक से अधिक निविदा पूर्णत: अंशत: बिना कारण बताएं स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार नगर पालिका परिषद को होगा। 3. निविदा विक्रय/प्राप्ति को अवकाश होने पर निविदा स्वत: आगामी कार्य दिवस को प्राप्ति/विक्रय कर खोली जाएगी। 4. आवश्यक कटोत्रा देयक से किया जावेगा। 5. अधिक जानकारी कार्यालय में अवकाश के दिवस को छोड़कर प्राप्त की जा सकती है।

श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, अध्यक्ष, नगरपालिका परिषद मंदसौर
श्रीमती नम्रता प्रितेश चावला, उपाध्यक्ष, नगरपालिका परिषद मंदसौर
श्रीमती निर्मला नरेश चंदवानी, सभापति लो.नि., नगरपालिका परिषद मंदसौर
सुधीरकुमार सिंह, मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगरपालिका परिषद मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in